www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

# भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

**मौसम**

अधिकतम तापमान 40.c

30.c न्यूनतम तापमान

**बाजार**

सोना 98.700g

चांदी 106.000 kg

2 ट्रंप पर भरोसा करने से बचे भारत, अमेरिकी राष्ट्रपति के रवैये से बिगड़ सकते हैं दोनों देश के संबंध

ट्रम्प ने अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड डील का ऐलान किया 06

वर्ष :17 | अंक :71 | प्रयागराज ,गुरूवार , 12 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

**संक्षिप्त समाचार**

### असम में सोशल मीडिया पर हिंदू विरोधी पोस्ट करने के आरोप में दो और गिरफ्तार

असम में हिंदू विरोधी तत्व होने के आरोप में दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अप्रैल में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद इस तरह के आरोप में अब तक 92 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने सोशल मीडिया पर कथित तौर पर सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील पोस्ट करने के आरोप में लखीमपुर से सबिकुल इस्लाम और भगवान कृष्ण एवं रुक्मिणी पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में दुलाल बोरा को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट किया, हिंदू विरोधी तत्वों को पकड़ा गया। कार्रवाई जारी है... कुल 92 अपराधी सलाखों के पीछे हैं। उन्होंने पहले कहा था कि देशद्रोहियों पर राज्यव्यापी कार्रवाई जारी रहेगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

### दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह के खिलाफ कांग्रेस का बड़ा ऐक्शन, 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित

कांग्रेस ने बुधवार को राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह को राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए छह साल के लिए प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया। प्रेस विज्ञप्ति में पार्टी ने कहा कि पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से कांग्रेस से निकाल दिया गया है। कांग्रेस की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति के सदस्य सचिव तारिक अनवर ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह को उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण तत्काल प्रभाव से छह साल की अवधि के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है।हालाँकि, पार्टी ने अपने आधिकारिक बयान में उन पार्टी विरोधी गतिविधियों के बारे में स्पष्ट नहीं किया जिनके लिए लक्ष्मण सिंह को निष्कासित किया गया। यह घटनाक्रम अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की अनुशासन समिति द्वारा पूर्व विधायक और पांच बार सांसद रह चुके सिंह को पार्टी से निष्कासित करने की सिफारिश के बाद सामने आया है। समिति ने कहा कि नेतृत्व के खिलाफ उनके बार-बार सार्वजनिक बयानों से पार्टी की छवि खराब हुई है।पिछले महीने लक्ष्मण सिंह को कारण बताओ नोटिस भेजा गया था, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर सवाल उठाया था कि पार्टी को रॉबर्ट वाड्रा और राहुल गांधी दोनों की अपरिपक्वता से कब तक निपटना होगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर लक्ष्मण सिंह ने अपनी पार्टी के भीतर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था,

# संतों ने समाज को दिखाई वो राह, जो कैराना और कांधला जैसी घटना नहीं होने देती: मुख्यमंत्री

संत स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास जी महाराज की 65वीं पुण्यतिथि एवं सतगुरु समनदास जी महाराज की पुण्य स्मृति में हुआ कार्यक्रम

**खड़गे ने कहा**

सीएम ने कहा कि मध्यकाल में जब देश गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ था, विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारत की धर्म और संस्कृति को रौंदा जा रहा था तो उस समय ज्योति के पुंज के रूप में काशी के सीरगोवर्धन में सतगुरु रविदास जी महाराज का अविर्भाव होता है। उन्होंने कर्मसाधना के माध्यम से जो प्रेरणा दी, वह आज भी देश व हर श्रद्धालु के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करती है।

एजेंसी

**नयी दिल्ली।** केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रधानमंत्री पर इस अवधि के दौरान 33 गलतियां करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने कभी ऐसा प्रधानमंत्री नहीं देखा जो इतना झूठ बोलता हो और लोगों को फंसाता हो तथा युवाओं को धोखा देता हो। खड़गे ने कहा कि मैं पिछले 65 सालों से राजनीति में हूं, लेकिन मैंने कभी किसी प्रधानमंत्री को इतना झूठ बोलते और लोगों को धोखा देते नहीं देखा। वह हर चीज के बारे में झूठ बोलते हैं... उन्होंने कभी अपनी गलती नहीं मानी और इस बात के लिए माफी नहीं मांगी कि मैंने इतना झूठ बोला। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर बात पर झूठ बोलते हैं ।

### ीएम ने घाट निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, सत्संग सभागार और सुंदरीकरण का दिया भरोसा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 65वीं पुण्यतिथि पर स्वामी भिक्षुकदास जी महाराज व समनदास जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगली बार समनदास आश्रम के सामने सतगुरु रविदास व संत समनदास जी महाराज की स्मृति में घाट का निर्माण, सड़कों का चौड़ीकरण, पार्किंग, सुंदरीकरण और सत्संग सभागार की स्थापना करेंगे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी समस्या का सामना न करना पड़े।

### पीएम मोदी ने संत रविदास की बातों को अक्षरशः लागू किया

मुख्यमंत्री ने संत रविदास के कथन की चर्चा करते हुए कहा कि उनकी वाणी अत्यंत दिव्य थी। रविदास जी ने कहा था मैं तब प्रसन्न रहूंगा, जब बिना भेदभाव सबको समान अधिकार व अन्न मिलेगा। संत रविदास की इन बातों को पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के माध्यम से इसे अक्षरशः लागू किया।

# सोनम समेत 5 आरोपियों को 8 दिन की पुलिस रिमांड

राजा रघुवंशी की मां से गले मिलकर रोया सोनम का भाई, कहा-हमने उससे सारे रिश्ते तोड़े

### राजा के घर अचानक पहुंचा सोनम का भाई

सोनम का भाई गोविंद रघुवंशी बुधवार को अचानक से राजा रघुवंशी के घर पर पहुंचा. सबसे पहले राजा की मां और परिजनों से मुलाकात कर दुख व्यक्त किया है. काफी देर तक वह राजा की मां के गले से लिपटकर रोया. उस दौरान राजा की मां के भी आंसू नहीं थम रहे थे. राजा की मां ने रोते हुए ही कई सवाल सोनम के भाई से पूछे. उन्होंने पूछा कि सोनम ने ऐसा क्यों किया. गोविंद भी आंखों में आंसू लिए बोलता सुनाई दिया कि उसे कुछ नहीं मालूम.

एजेंसी

शिलॉन्ग । मेघालय पुलिस ने राजा मर्डर केस में मंगलवार को सोनम और राज समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इन्हें शिलॉन्ग लाया गया है। सभी आरोपियों को आज (11 जून) कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने अदालत से इनकी रिमांड मांगी। जिसके बाद कोर्ट ने सोनम समेत सभी आरोपियों को 8 दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है।रिमांड पर लेने के बाद मेघालय पुलिस आरोपियों का आमना-सामना करा सकती है। साथ ही सीन रीक्रिएशन भी कराएगी।इधर, सोनम रघुवंशी के भाई गोविंद ने बुधवार को इंदौर में राजा रघुवंशी की मां उमा रघुवंशी से मुलाकात की। गोविंद राजा की मां के गले लगकर रोया और कहा कि सोनम ने गलती की, उसे सजा-ए-मौत होनी चाहिए।

1. शिलॉन्ग एसपी विवेक स्येम ने कहा, 'राज के साथी तीनों सुपारी किलर्स ने कबूला है कि सोनम 22 मई को शिलॉन्ग पहुंच गई थी। राजा को मारने का प्लान-ए इसी दिन का था। इसके लिए सोनम ने तय किया था कि वह राजा को पहाड़ पर ले जाएगी।'

2. शिलॉन्ग पुलिस ने दावा किया कि तीनों किलर्स भी वहां मौजूद होंगे। इसी बीच सेल्फी लेने के बहाने वो राजा को खाई में धक्का दे देगी। लेकिन, बारिश और अंधेरा होने के कारण प्लान ए कैंसिल करना पड़ा।

3. पुलिस ने बताया कि प्लान ए के बाद प्लान बी पर काम किया। इसमें अगले दिन राजा को पहाड़ पर ले जाकर मार दिया।

# 3 राज्य के 7 जिलों को मोदी सरकार की बड़ी सौगात

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भारतीय रेलवे की बल्लारी-चिकजाजुर मल्टीट्रैकिंग परियोजना पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह दोहरीकरण परियोजना 185 किलोमीटर तक फैली है और इसकी लागत 3,342 करोड़ रुपये है। यह मंगलौर बंदरगाह के साथ आंतरिक इलाकों को कुशलतापूर्वक जोड़ेगी।

### रेलवे की 6,405 करोड़ की दो परियोजनाओं को मंजूरी

एजेंसी

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी के ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के दौरान, परिवहन और रसद लागत को कम करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। आईआईएम बैंगलोर और आईआईएम कलकत्ता के हालिया अध्ययन से पता चलता है कि परिवहन में निवेश से देश की रसद लागत में लगभग 4% की कमी आई है। रसद लागत में हर प्रतिशत की कमी का मतलब है कि बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी उद्योग होंगे। हम अधिक निर्यात कर सकते हैं। हम उत्पादन लागत कम रख सकते हैं... पिछले 1 साल में परिवहन परियोजनाओं के लिए लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी गई है। यह विकसित भारत के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी बड़ी भूमिका निभाएगा। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भारतीय रेलवे की बल्लारी-चिकजाजुर मल्टीट्रैकिंग परियोजना पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह दोहरीकरण परियोजना 185 किलोमीटर तक फैली है और इसकी लागत 3,342 करोड़ रुपये है। यह मंगलौर बंदरगाह के साथ आंतरिक इलाकों को कुशलतापूर्वक जोड़ेगी। हम मंगलौर की रेलवे कनेक्टिविटी में सुधार के लिए एक मास्टर प्लान बना रहे हैं.

# अमरनाथ जा रहे बीएसएफ जवानों को खस्ताहाल ट्रेन मिली

सीटों पर गद्दी नहीं, टॉयलेट टूटा, कॉकरोच थे; 5 दिन बाद 4 रेलवे अफसर सस्पेंड

### 1200 जवानों के लिए कबाड़ ट्रेन

वायरल वीडियो में दिखाई गई इस ट्रेन को देखकर किसी कबाड़खाने की हालत याद आ जाती है. सीटों की गद्दियां फटी हुई हैं, उनके अंदर की घास बाहर झांक रही है. डिब्बों की छतों में दरारें हैं और कई जगह जुगाड़ से उसे टिकाया गया है. पंखों की हालत ऐसी है जैसे कब से जंग खा रहे हों. कुल मिलाकर पूरी ट्रेन की हालत बिल्कुल खस्ताहाल नजर आ रही है. बताया जा रहा है कि इस ट्रेन में करीब 1200 बीएसएफ के जवानों को अमरनाथ यात्रा पर ड्यूटी देने के लिए भेजा जा रहा था. बताया गया है कि वीडियो वायरल होने के बाद कुछ अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है.

एजेंसी

अमरनाथ यात्रा के लिए ड्यूटी पर जा रहे 1200 बीएसएफ जवानों ने ट्रेन की खराब हालत देखते हुए चढ़ने से इनकार कर दिया। 5 दिन पुराने इस मामले में रेल मंत्रालय ने 4 रेल अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है।6 जून को जवानों को त्रिपुरा से अमरनाथ जाना था। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई, उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे हुए थे। ट्रेन का वीडियो भी अब सामने आया है। इसमें टॉयलेट टूटा है, लाइट नहीं है। सीटों पर गद्दियां भी गायब हैं। फर्श पर कॉकरोच दिखाई दे रहे हैं। जवानों के इनकार के बाद 10 जून को दूसरी ट्रेन मुहैया कराई गई। ट्रेन के डिब्बों का महीनों से इस्तेमाल नहीं हुआ था

वीडियो में जो ट्रेन दिख रही है उसे लेकर लोगों ने आरोप लगाया है कि इसे डंप यार्ड से उठाकर जस का तस सेवा में दे दिया गया है. यहां तक कि उसकी सफाई भी नहीं की गई है.

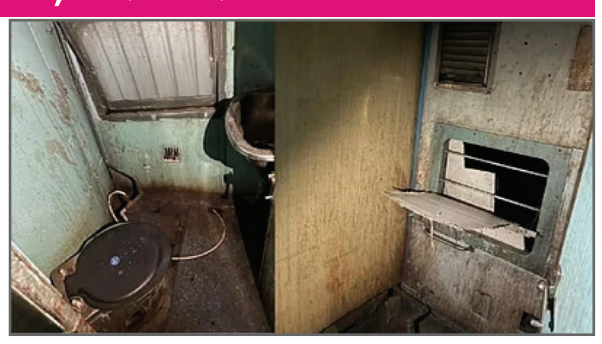

जवानों को अमरनाथ तीर्थयात्री ड्यूटी के लिए कश्मीर पहुंचना था। जिस ट्रेन से उन्हें जाना था, उसका बीएसएफ के कंपनी कमांडर ने निरीक्षण किया। ट्रेन की हालत देखकर वे हैरान रह गए। डिब्बों की हालत काफी खराब थी। इसका इस्तेमाल जवानों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए नहीं किया जा सकता। जांच के बाद पता चला कि डिब्बों का महीनों से इस्तेमाल नहीं हुआ।हर डिब्बे में जगह-जगह टूटे-फूटे सामान पड़े थे। ट्रेन की खिड़कियों व दरवाजों में छेद थे। अधिकांश सीटों पर गंदगी फैली हुई थी। ट्रेन के कई डिब्बों में बल्ब या बिजली कनेक्शन नहीं था।

# जासूस ज्योति मल्होत्रा को अभी जेल में ही रहना होगा, कोर्ट ने खारिज की जमानत अर्जी

मल्होत्रा को न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने दावा किया है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां मल्होत्रा को अपनी संपत्ति के तौर पर विकसित कर रही थीं।

एजेंसी

हरियाणा की एक अदालत ने बुधवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ज्योति मल्होत्रा को जमानत देने से इनकार कर दिया, जिन्हें पिछले महीने जासूसी के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। हिसार पुलिस ने 16 मई को जासूसी के संदेह में मल्होत्रा को गिरफ्तार किया था और बाद में अदालत ने उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। रिमांड पूरा होने के बाद, पुलिस द्वारा उनसे आगे की पूछताछ करने के बाद अदालत ने हिरासत की अवधि चार दिन और बढ़ा दी। 26 मई को अदालत ने उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ज्योति मल्होत्रा को क्यों गिरफ्तार किया गया ?मल्होत्रा को न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया।

# अब पीएम मोदी से मिलने के पहले कराना होगा आरटीपीसीआर

पीएम मोदी आज दिल्ली के सभी बीजेपी विधायक, सांसदों से मुलाकात करेंगे. मुलाकात से पहले सभी पदाधिकारियों के लिए आरटीपीसीआर टेस्ट अनिवार्य किया गया है.

### कोरोना के बढ़ते केस के बीच फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली: आज शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली बीजेपी के सभी पदाधिकारियों को अपने आवास पर आमंत्रित किया है. इस डिनर में दिल्ली के मुख्यमंत्री, दिल्ली के सभी सातों सांसद, सभी भाजपा विधायक भी शामिल होंगे. कुल मिलाकर 70 के करीब अधिकारी, सांसद और विधायक इस डिनर में मौजूद रहेंगे. लेकिन कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलो में के बीच सभी के लिए कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है. यानी पीएम मोदी से मिलने वाले सभी पदाधिकारियों को आरटी पीसीआर टेस्ट करवाना होगा. दिल्ली में मिली जीत के बाद पहली बार पीएम मोदी ने बीजेपी नेताओं को देर शाम 7:30 बजे डिनर के लिए बुलाया है. दरअसल, केंद्र में मोदी सरकार के कार्यकाल के 11 साल पूरे होने पर इन दिनों सरकार अपनी उपलब्धियों को लोगों को बता रही है. इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री से लेकर तमाम बीजेपी सांसद अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में जनता को बीते 11 सालों में जो कार्य हुए हैं, उसके बारे में बता रहे हैं. वहीं इससे आने वाले समय में इसके क्या इंपैक्ट होंगे ये भी बताया जा रहा है.दिल्ली के सातों सांसद भी आज अपने-अपने क्षेत्रों में मोदी सरकार की उपलब्धियों को बताएंगे. विकसित दिल्ली को लेकर प्रधानमंत्री दिल्ली के विधायकों और सांसदों का मार्गदर्शन करेंगे. दिल्ली में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद दिल्ली के विधायकों से यह प्रधानमंत्री के साथ यह पहली मुलाकात है.

# कुंभ मेले में भगदड़ के बाद यूपी के सीएम से इस्तीफा क्यों नहीं मांगा?

### भाजपा पर सिद्धारमैया का पलटवार

ख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सवाल उठाया कि इस साल की शुरूआत में प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान भगदड़ मचने पर भाजपा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस्तीफे की मांग क्यों नहीं की। सिद्धारमैया ने संवाददाताओं से बात करते पूछा कि कुंभ मेले में भगदड़ में 40-50 लोग मारे गए। क्या तब उन्होंने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की थी?

एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को बेंगलुरू भगदड़ को लेकर भाजपा द्वारा उनके इस्तीफे की मांग को खारिज करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा हर चीज में राजनीति करती है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सवाल उठाया कि इस साल की शुरूआत में प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान भगदड़ मचने पर भाजपा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस्तीफे की मांग क्यों नहीं की। सिद्धारमैया ने संवाददाताओं से बात करते हुए पूछा कि कुंभ मेले में भगदड़ में 40-50 लोग मारे गए। क्या तब उन्होंने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की थी? उद्धाटन के दिन एक पुल ढह गया था और 140 लोग मारे गए थे।

निशाना बोलीं- झुग्गी वालों की हाय लगेगी

# भाजपा गरीब विरोधी पार्टी, आतिशी ने रेखा गुप्ता सरकार पर साधा जोरदार निशाना

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने बुधवार को कालकाजी इलाके के भूमिहिनी कैंप में किए गए तोड़फोड़ अभियान को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधा। मीडिया से बात करते हुए आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'गरीब विरोधी' पार्टी बताया और आगे सवाल किया कि विध्वंस के लिए अदालत का दरवाजा किसने खटखटाया।उन्होंने कहा कि यह साफ है कि भाजपा एक 'गरीब विरोधी' पार्टी है। तीन दिन पहले दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा था कि एक भी झुग्गी नहीं गिराई जाएगी।लेकिन आज सुबह 5 बजे से ही बुलडोजर चल रहे हैं और लोगों को जबरन उनके घरों से बाहर निकाला जा रहा है, लाठी-डंडों से पीटा जा रहा है। आतिशी ने आगे कहा कि रेखा गुप्ता का दावा है कि यह एक अदालती आदेश है - लेकिन अदालत का दरवाजा किसने खटखटाया? यह भाजपा की डीडीए और पार्टी थी जिसने यह आदेश लाया। ये गरीब लोग अदालत गए, लेकिन भाजपा और डीडीए उनके खिलाफ खड़े हो गए, उन्होंने कहा कि वे घर नहीं देंगे, और अदालत से तोड़फोड़ को मंजूरी देने का आग्रह किया। हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद यह तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद अवैध झोपड़ियों को ढहाने के मद्देनजर भूमिहीन कैंप के सभी निवासियों को एक आधिकारिक नोटिस जारी किया था, जिसमें उन्हें अपने परिसर खाली करने का निर्देश दिया गया था। मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और कालकाजी से आप विधायक आतिशी ने इलाके में तोड़फोड़ विरोधी प्रदर्शन किया, जिसके बाद उन्हें दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आतिशी ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा और रेखा गुप्ता को झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग श्राप देंगे। आतिशी ने एक दिन पहले कहा था, बीजेपी कल इन झुग्गियों को ध्वस्त करने जा रही है, और मुझे आज जेल भेजा जा रहा है क्योंकि मैं इन झुग्गीवासियों के लिए आवाज उठा रही हूँ।'बीजेपी और रेखा गुप्ता को झुग्गी वालों की हाय लगेगी। ... बीजेपी कभी वापस नहीं आएगी।

अरविंद केजरीवाल ने अपनी राजनीतिक यात्रा इसी तरह आम आदमी के मुद्दे उठाकर की थी। उन्होंने लोगों के बढ़े बिजली के बिल देने से साफ इनकार करवा दिया था

आतिशी ने आगे कहा कि रेखा गुप्ता का दावा है कि यह एक अदालती आदेश है - लेकिन अदालत का दरवाजा किसने खटखटाया? यह भाजपा की डीडीए और पार्टी थी जिसने यह आदेश लाया।

# प्रवेश वर्मा का दावा, 100 दिनों में पिछली सरकार से ज्यादा किया है काम

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने बुधवार को कहा कि भाजपा सरकार ने अपने पहले 100 दिनों में इतना काम कर दिया है, जितना पिछली सरकार 10 साल में नहीं कर पाई। प्रवेश वर्मा ने दिल्ली शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात की। वर्मा ने कहा कि दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया है। मैं सभी दिल्लीवासियों से अपील करता हूं कि वे अपने घर के पास के पार्क में अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाएं। भाजपा नेता ने कहा कि हमने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि सभी घरों तक पानी पहुंचे। इसे और बेहतर बनाने और बदलाव देखने में कुछ समय लगेगा। पानी की मांग अब बढ़ गई है। हमारे अधिकारी निगरानी कर रहे हैं कि कहीं भी पानी की कमी न हो और गंदे पानी की समस्या पर भी काम किया जा रहा है। प्रवेश वर्मा ने संवाददाताओं से कहा, हमारी सरकार ने 100 दिनों में इतना काम कर दिया है जितना पिछली सरकार 10 साल में नहीं कर पाई। सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने मौजूदा सीजन में 70 लाख से ज्यादा पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है।

भाजपा नेता ने कहा कि हमने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि सभी घरों तक पानी पहुंचे। इसे और बेहतर बनाने और बदलाव देखने में कुछ समय लगेगा। पानी की मांग अब बढ़ गई है।

## सम्पादकीय

# समावेशी विकास के 11 वर्ष, मोदी सरकार ने लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाया

नया भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश की प्रगति अब सिर्फ जीडीपी जैसे आंकड़ों से तय नहीं होती, बल्कि आम लोगों को सम्मान से जीने और आगे बढ़ने के मिले अवसरों से भी होती है। इसके उदाहरण दूर-दराज के गांवों, कस्बों और शहरों में आम हैं। यह बदलाव उस नेतृत्व की बदौलत संभव हुआ, जो हर नागरिक को सशक्त बनाने में विश्वास रखता है। शुरू से ही अंत्योदय यानी पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का उत्थान हमारी प्रेरणा रहा है। पिछले 11 वर्षों में हमारी हर नीति, हर निवेश और नवाचार इसी सोच पर आधारित रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह सोच चार स्तंभों पर आधारित है।पहला, ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाना, जो देश को जोड़े। दूसरा, ऐसा विकास, जो सबको साथ लेकर चले। तीसरा, मैन्यूफैक्चरिंग जो लोगों को रोजगार दे। चौथा, सरकारी कामकाज को इतना आसान बनाना कि आम आदमी को ताकत मिले। पिछले 11 वर्षों में पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) तेजी से बढ़ा है और 2025-26 में यह 11.2 लाख करोड़ तक पहुंच गया। यह बढ़ता हुआ निवेश सबसे अधिक बुनियादी ढांचे-फिजिकल, डिजिटल और सामाजिक में दिखता है। दौरान करीब 59,000 किमी नए राजमार्ग बने और 37,500 किमी रेलवे ट्रैक बिछाए गए। हाल में चिनाब और अंजी पुल का उद्घाटन हुआ, जो आधुनिक भारत की इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक हैं। जब वंदेभारत ट्रेन इन पुलों से होकर श्रीनगर पहुंची, तो एक यात्री ने कहा, यह किसी सपने के सच होने जैसा है। उसकी आंखों में आंसू थे। कनेक्टिविटी अब सिर्फ सड़कों और रेल तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह डिजिटल क्षेत्र में भी फैल चुकी है। भारत का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर दुनिया में मिसाल बन चुका है। यूपीआइ, आधार और डिजीलाकर जैसे प्लेटफार्म आम लोगों की जिंदगी को सरल बना रहे हैं। इनकी सफलता और व्यापक उपयोगिता देखते हुए कई देश इनका अध्ययन कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है टेक्नोलाजी को हर आम आदमी तक पहुंचाना। यह सोच अब इंडिया एआइ मिशन को भी दिशा दे रही है। अब 34,000 से अधिक हाई स्पीड कंप्यूटर चिप्स-जीपीयू सभी के लिए उपलब्ध हैं और बाकी देशों की तुलना में सिर्फ एक-तिहाई लागत पर। एआइ माडल को ट्रेन करने में इन चिप्स की बड़ी भूमिका होती है। शोध और नवाचार को आसान बनाने के लिए एआइकोष प्लेटफार्म पर 370 से ज्यादा डाटा सेट और 200 से अधिक तैयार एआइ माडल सभी के लिए उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सेवाओं को सबके लिए आसान बनाने पर भी इतना ही जोर दिया गया है। इन 11 वर्षों में मेडिकल कालेजों की संख्या 387 से बढ़कर 780 हो गई है। एम्स सात से बढ़कर 23 हो चुके हैं।

## आज का विचार

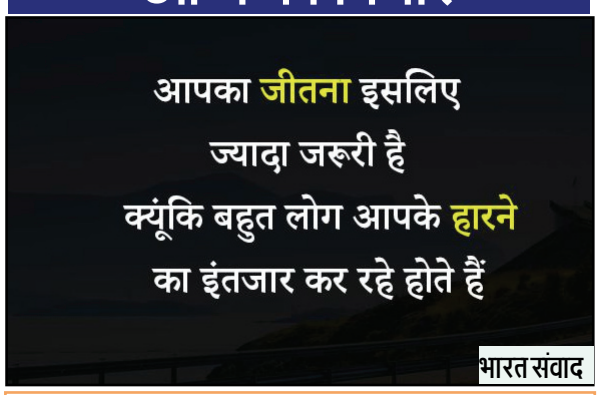


## राशिफल

**मेष राशि :** मेष राशि के जातकों के लिए ग्रहों की स्थिति बता रही है कि आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है. आज स्थितियां आपके पक्ष में रहने वाली है. लंबे समय से सोची हुई कोई बात आज पूरी हो सकती है जिससे आप बहुत प्रसन्न रहेंगे. आज का दिन व्यापारी वर्ग के लोगों के लिए काफी लाभदायक रहने वाला है.

**वृषभ राशि:** वृषभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन थोड़ा खर्च कराने वाला रहेगा. आज मुमकिन है कि आपको अपने जीवनसाथी के साथ शॉपिंग पर जाना पड़े जिसका असर आपकी जेब पर भी दिखाई देगा. आपको सलाह है कि फिलहाल अपनी सेहत का ख्याल रखे. आर्थिक मामलों में आज का दिन आपके लिए थोड़ा कमजोर रह सकता है.

**मिथुन राशि:** मिथुन राशि के लोगों के लिए आज का दिन आर्थिक मामलों में पक्ष में रहने वाला है. आज आपके सामने कम ही आर्थिक चुनौतियां रहेंगी और आपकी आमदनी अच्छी रहेगी. आज व्यापार में भी लाभ के अच्छे योग रहने वाले हैं. प्रेम जीवन में रह रहे लोगों के लिए आज का दिन काफी अच्छा रहेगा.

**कर्क राशि:** ग्रहों की स्थिति बता रही है कि आज का दिन कर्क राशि के लोगों के लिए सामान्य रहेगा. आज इस राशि के पेशेवर व्यक्तियों के दिन बहुत ही अनुकूल रहने वाला है। आज आप अपने काम में काफी व्यस्त रह सकते हैं. साथ ही आज आप आर्थिक रूप से काफी मजबूत दिखाई देंगे.

**सिंह राशि :** सिंह राशि के लोगों के लिए आज विदेश से जुड़ा कोई शुभ समाचार लेकर आ सकता है. आज विदेश जाने की कोई खबर आपको मिल सकती है दरअसल, आज काम के सिलसिले में आपको किसी लंबी यात्रा पर जाना पड़ सकता है. अपनी सेहत का ख्याल रखें अ

**कन्या राशि:** कन्या राशि वालों के लिए सलाह है कि आज किसी भी बात को लेकर खुद पर तनाव को हावी न होने दे. मानसिक तौर पर खुद को स्वस्थ रखने की कोशिश करें.

**तुला राशि:** तुला राशि के लोगों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है. आज आपको प्रमोशन भी मिल सकता है या व्यापार में अच्छे लाभ के योग भी बनेंगे। निजी जीवन खुशियों से भरा रहेगा और आपका जीवन साथी आपके रंग में रंगा हुआ नजर आएगा.

**वृश्चिक राशि:** वृश्चिक राशि के लोगों के लिए ग्रहों की चाल संकेत दे रही है कि आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहेगा. आज आपको सलाह है कि किसी से भी कोई कर्ज न लें क्योंकि, ऐसा करना आपके लिए सिर दर्द का कारण बन सकता है. आज आपके खर्चों में भी काफी बढ़ोतरी होगी इसलिए आर्थिक रूप से दिन थोड़ा निराशाजनक रह सकता है लेकिन मानसिक रूप से आप काफी मजबूत रहेंगे और एक साथ कई काम निपटा लेंगे.

**धनु राशि :** धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है. आप जिससे प्यार करते हैं आज उससे खुलकर अपने दिल की हर बात कह सकते हैं और आज वह भी आपके प्यार में डूबा हुआ नजर आएगा.

**मकर राशि :** मकर राशि के लोगों को आज प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई बड़ी जानकारी आपको मिल सकती है, जिससे आप काफी प्रसन्न रहेंगे या यदि आप अपना घर खरीदने की योजना बना रहे थे तो आज उसमें सफलता मिलने के पूरे योग हैं.

**कुंभ राशि:** कुंभ राशि के लोगों के लिए सितारों की चाल बता रही है कि आज आपमें आत्मविश्वास काफी ज्यादा ऊंचा रहने वाला है जिससे आप व्यापार में कोई बड़ा जोखिम उठाने से पीछे नहीं हटेंगे

**मीन राशि :** मीन राशि के लोगों के लिए ग्रहों की स्थिति आज आपके पक्ष में रहने वाली है जिससे आर्थिक लाभ होने के प्रबल योग बनेंगे। आज आप कोई बड़ी पॉलिसी खरीद सकते हैं या धन संचय की किसी योजना में निवेश कर सकते हैं. परिवार का माहौल काफी अच्छा रहेगा

**ज्योतिष सेवा केन्द्र**
**ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री**

# ट्रंप पर भरोसा करने से बचे भारत, अमेरिकी राष्ट्रपति के रवैये से बिगड़ सकते हैं दोनों देश के संबंध

**ट्रंप ने भारत की चिंता बढ़ाने वाला एक और काम किया है। उन्होंने 16 मई को अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के तीन सलाहकार बोर्डों में से एक में दो ऐसे सदस्य बनाए जिन्हें लेकर विवाद छिड़ा है। ये हैं शेख हमजा यूसुफ और इस्माइल रोयर। दोनों को जिहादी सोच वाला कहा जा रहा है। दोनों मतांतरित मुस्लिम हैं।**

पा अमेरिका को फिर से महान बनाने के नारे के साथ राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप फिलहाल लास एंजिलिस को हिंसा से बचाने के लिए जूझ रहे हैं। यह हिंसा इसलिए भड़की, क्योंकि ट्रंप अवैध आप्रवासियों के खिलाफ सख्त अभियान छेड़े हुए हैं। लास एंजिलिस में अवैध आप्रवासी और उनके हमदर्द संगठन ट्रंप के खिलाफ सड़कों पर उतर आए और उन्होंने इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इनफोर्समेंट (आइसीई) को निशाना बनाना शुरू कर दिया। नतीजा बेकाबू हिंसा के रूप में सामने आया। ट्रंप अवैध आप्रवासियों के खिलाफ इसलिए सख्ती बरत रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे ही मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) समर्थक खुश होंगे। अवैध आप्रवासियों को निकालने में हर्ज नहीं, लेकिन उस तरह नहीं, जैसे ट्रंप निकाल रहे हैं, क्योंकि भारतीय छात्रों समेत वैध तरीके से अमेरिका गए अन्य देशों के लोग भी आइसीई की की सख्ती की चपेट में आ रहे हैं। पता नहीं ट्रंप अवैध आप्रवासियों को निकाल कर अमेरिका को महान बना पाएंगे या नहीं, लेकिन भारत को उनसे सतर्क हो जाना चाहिए। केवल इसलिए नहीं, क्योंकि वह वैध आप्रवासियों को भी तंग कर रहे हैं। भारत को इसलिए भी चिंतित होना चाहिए कि ट्रंप ने पाकिस्तान को एक तरह से गोद ले लिया है। इसकी पुष्टि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के विरुद्ध भारत की सैन्य कार्रवाई पर उनके अजीब रवैये से हुई थी। वह व्यापार का लालच देकर इस सैन्य संघर्ष को थामने का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसा करते हुए वह पाकिस्तान का गुणगान करना भी नहीं भूल रहे हैं। ट्रंप की मानें तो पाकिस्तान ग्रेट नेशन है और वहां के लोगों ने कुछ शानदार चीजें बनाई हैं। दुनिया तो यही मानती है कि पाकिस्तान आतंकियों की फैक्ट्री है। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप भी ऐसा ही मानते थे और उसे धोखेबाज, अमेरिका को मूर्ख बनाकर पैसे ऐंठने एवं आतंकियों को पालने वाला कहते थे, लेकिन दूसरे कार्यकाल में वह उसके मुरीद बन गए।

उनकी ओर से पाकिस्तान की तारीफ के पुल बांधने के पीछे उनके बेटों के स्वामित्व वाली क्रिप्टो कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्लूएलएफ) और पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल (पीसीसी) के बीच हुए समझौते को माना जा रहा है। यह समझौता पहलगाम हमले के पांच दिन बाद 27 अप्रैल को हुआ था, लेकिन इस समझौते के पहले भी कुछ संदेहास्पद हुआ था। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने जनवरी में अपने भरोसेमंद और अरबपति व्यापारी जेंट्री बीच को निवेशकों के एक दल के साथ पाकिस्तान भेजा। उन्होंने वहां जाकर खनिज संबंधी कुछ समझौते किए और पीएम शाहबाज शरीफ से भी मिले। जेंट्री को ट्रंप का अघोषित विशेष दूत माना जाता है। जेंट्री जब अमेरिका लौटे तो उन्होंने पाकिस्तान की इस कदर तारीफ की कि शायद पाकिस्तानी भी हैरत में बोल पड़े हों कि हमारा देश इतना अच्छा है और हमें ही पता नहीं। लगता है जेंट्री के इस्लामाबाद दौरे के बाद ही ट्रंप को पाकिस्तान को लेकर नई दृष्टि प्राप्त हुई। इसका प्रमाण यह है कि इसी आठ जून को उन्होंने अमेरिका को सुरक्षित रखने के लिए 12 देशों के लोगों पर पूर्ण और सात देशों के नागरिकों पर आंशिक प्रतिबंध लगाया। इन देशों की सूची में अफगानिस्तान, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान, यमन, म्यांमार, चाड, कांगो, क्यूबा, वेनेजुएला, तुर्कमेनिस्तान आदि का नाम तो है, लेकिन पाकिस्तान का नहीं। क्यों नहीं है, इसका जवाब ट्रंप या उनके करीबी ही दे सकते हैं। माना जाता है कि कुछ रिपब्लिकन सांसदों समेत ट्रंप के करीबियों को रिझाने और उनमें से एक जेंट्री बीच को पाकिस्तान ले जाने औ? डब्लूएलएफ एवं पीसीसी में आनन-फानन समझौता कराने के पीछे वाशिंगटन स्थित पाकिस्तानी दूतावास और उसके लिए लाबिंग करने वालों का हाथ है। यह ध्यान रहे कि ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद जब प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका गए थे, तब दोनों देशों की ओर से जारी साझा बयान में आतंकवाद की निंदा की गई थी और मुंबई एवं पठानकोट हमलों के गुनहगारों को न्याय के कठघरे में खड़ा करने तथा इस्लामाबाद से यह सुनिश्चित करने को कहा गया था कि उसकी जमीन का इस्तेमाल किसी तरह की आतंकी गतिविधियों के लिए न होने पाए। क्या यह विचित्र नहीं कि यही पाकिस्तान अब ट्रंप को अचानक ग्रेट नेशन नजर आने लगा? हम इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि ट्रंप ने अवैध तरीके से अमेरिका गए भारतीयों को किस तरह हथकड़ी-बेड़ी लगाकर भेजा और टैरिफ के मामले में कैसा रवैया अपनाया। उन्होंने भारत में आइफोन बनाने वाली कंपनी एपल को भी चेताया कि वह ऐसा करेगी तो 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। इसके पहले वे हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल पर अधिक टैरिफ का रोना रोते हुए भारत को टैरिफ किंग कह चुके हैं। यह भारत के कथित मित्र देश के शासनाध्यक्ष जैसा व्यवहार तो कतई नहीं है। ट्रंप के दोबारा व्हाइट हाउस पहुंचने के बाद दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होने की जो उम्मीद की जा रही थी, वह अब दरकती दिख रही है। इसे लेकर मतभेद हैं कि अमेरिका के विदेश मंत्री रहे हेनरी किसिंजर ने वास्तव में कभी ऐसा कहा था- अमेरिका का दुश्मन होना खतरनाक हो सकता है, लेकिन दोस्त होना जानलेवा होता है!, लेकिन यह सही साबित होता दिख रहा है। दोस्तों को दगा देना अमेरिका की पुरानी आदत है। बात केवल इतनी ही नहीं कि पाकिस्तान किसी तरह ट्रंप और उनके करीबियों को रिझाने में सफल हो गया। यही काम ट्रंप और उनके करीबी भी कर रहे हैं। पाकिस्तान में अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत नताली ए बेकर पीएसएल का फाइनल मुकाबला देखने पहुंचीं। वह लाहौर कलंदर को सपोर्ट कर रही थीं औ? उसकी शर्ट भी पहने थीं। मैच के पहले भारत के खिलाफ पाकिस्तान सेना की बहादुरी! बयान करने के लिए एक कार्यक्रम रखा गया। इसमें पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारी भी थे औ नताली बेकर भी। क्या नताली भी यह जताना चाहती थीं कि पाकिस्ताना सेना ने वाकई भारत पर जीत हासिल की? जो भी हो, इसमें संदेह नहीं कि ट्रंप पाकिस्तान को यह संदेश देने में लगे हुए हैं कि अब उसके प्रति उनका रवैया बदल गया है। यह तो सबको पता ही है कि हाल में ट्रंप जब पश्चिम एशिया गए तो उन्होंने सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात की। यह वही अल शरा है, जो अलकायदा एवं इस्लामिक स्टेट में रह चुका है और जिस पर अमेरिका ने इनाम रखा था। इसे सुरक्षा परिषद ने वैश्विक आतंकी घोषित किया था। अल शरा उर्फ अबू मोहम्मद अल-जुलानी ने अल-नुसरा फ्रंट नाम से अपना अलग आतंकी गुट बनाया था। फिर इसका नाम हयात तहरीर अल-शाम रखा और कुछ समय पहले राष्ट्रपति बशर अल असद को बेदखल कर सीरिया पर कब्जा करने में सफल रहा। ट्रंप ने भारत की चिंता बढ़ाने वाला एक और काम किया है। उन्होंने 16 मई को अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के तीन सलाहकार बोर्डों में से एक में दो ऐसे सदस्य बनाए, जिन्हें लेकर विवाद छिड़ा है। ये हैं शेख हमजा यूसुफ और इस्माइल रोयर। दोनों को जिहादी सोच वाला कहा जा रहा है। दोनों मतांतरित मुस्लिम हैं। एक समय एफबीआइ ने हमजा से पूछताछ भी की थी। हमजा से ज्यादा गंभीर मामला रैंडल टाड रोयर उर्फ इस्माइल रोयर का है। उसने 1992 में इस्लाम अपनाया और फिर पाकिस्तान जाकर लश्कर के ट्रेनिंग कैंपों में जिहाद का प्रशिक्षण लिया। इस दौरान उसने सीमा पार से कश्मीर में सुरक्षा चौकियों पर गोलीबारी भी की। 2004 में उसे लश्कर के इशारे पर ह्यवर्जीनिया जिहाद नेटवर्कह्न चलाने के आरोप में 20 साल की सजा हुई। 13 साल बाद उसे कथित तौर पर सुधर जाने के कारण रिहा कर दिया गया। अब ट्रंप ने इसी ह्लसुधरे हुएह्व जिहादी को धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के सलाहकार बोर्ड का सदस्य बना दिया। यह आयोग दुनिया भर के देशों को लेकर यह रिपोर्ट देता है कि वहां धार्मिक स्वतंत्रता की क्या स्थिति है। आखिर भारत ट्रंप पर कैसे भरोसा कर सकता है? आशंका है कि ट्रंप के राष्ट्रपति रहते भारत-अमेरिका संबंध बिगड़ने के साथ क्वाड का भविष्य भी खतरे में पड़ सकता है।

# श्रम की खुशबू और सफलता

संजीव ठाकुर

किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए सही योजना परिकल्पना तथा रणनीति अत्यंत आवश्यक है अपने लक्ष्य के अनुसार अपनी क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए व्यक्ति को अपनी प्राथमिकताएं सुनियोजित कर लेनी चाहिए, लक्ष्य प्राप्ति के लिए यह बहुत जरूरी है कि आपके पास उपलब्ध समय की गणना आवश्यक रूप से कर ले, अन्यथा अपने टारगेट से इधर उधर भटक सकते हैं, ऐसी स्थिति में मन को एकाग्र रखकर आत्मविश्वास को द्विगुणित कर के एकाग्रता को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करना एक महत्वपूर्ण कदम होगा, सर्वप्रथम आप अपनी क्षमता शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानिए एवं लक्ष्य की तरफ एक एक सोपान धीरे धीरे बढ़ाते जाएं, लक्ष्य के स्वरूप और छोटा या बड़ा होने की मन में कल्पना न करें, लक्ष हमेशा लक्ष्य होता है छोटा बड़ा नहीं, इसके लिए बहुत ही ठंडे दिमाग से योजना बनाकर लक्ष्य की प्राप्ति के उपायों को मन ही मन तय करें एवं प्राथमिकता के आधार पर उसकी धीरे धीरे तैयारी करना शुरू करें सफलता के लिए अपने संसाधन सुनिश्चित करने के पश्चात एक सुनियोजित योजना बनाकर समय की प्रतिबद्धता के हिसाब से धीरे-धीरे आगे की ओर अपने कदम न सुनिश्चित करें लक्ष्य प्राप्ति के लिए जो सबसे बड़ा शस्त्र है वह समय का सदुपयोग, क्योंकि हम सभी को मालूम है कि हमारे पास दिन में सिर्फ 24 घंटे ही उपलब्ध होते हैं, इसमें हमें दैनिक दिनचर्या शारीरिक एवं मानसिक शक्ति प्राप्त करने के लिए समय निकालने की आवश्यकता होगी, ऐसे में समय का समुचित उपयोग एक सफल नियोजन कर्ता की तरह किया जाना चाहिए, उपलब्ध समय में उचित समय पर उठना स्नान, ध्यान, भोजन एवं मानसिकता दृढ़ता के लिए समुचित नींद या निद्रा की अत्यंत आवश्यक होती है किसी ने सच कहा है, मन के हारे हार है और मन के जीते जीत, यदि आपको जीवन में जीत या सफलता प्राप्त करनी है तो आप मानसिक दृढ़ता के साथ आप आत्मविश्वास से लवरेज यानी ओतप्रोत होने के लिए तैयार हो जाए, लक्ष्य छोटा हो या बड़ा घबराने की आवश्यकता नहीं है , क्योंकि मनुष्य का मस्तिष्क ही सोच के हिसाब से सफलता लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्षम होता है काम करने से पहले ही यदि आप आधे मन से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे तो सफलता प्राप्त होने में संदेह ही नहीं सारी परिस्थितियां संदिग्ध हो जाती है लक्ष्य की दूरहता या क्लिष्टता का पूवार्नुमान अपनी सफलता की तैयारी के पूर्व ही कर लिया जाना चाहिए और इन सब के लिए सुनियोजित रणनीति या कार्य योजना तैयार कर उस लक्ष्य की तरफ रुख किया जाना चाहिऐ अपनी प्राथमिकताओं में सर्व प्रथम स्थान नींद का होना चाहिए, सही वक्त पर पूरी नींद ही शरीर को चुस्त-दुरुस्त और सजग रखती है अतः दिन में मानसिक तनाव से दूर रहने के लिए संपूर्ण 6 से 8 घंटे नींद ले लेनी चाहिए, जिससे मानसिक चुस्ती आने के साथ कार्य क्षमता में वृद्धि होती है, अन्यथा आपका किसी कार्य में समुचित मन लगना संदिग्ध होगो, इसी तरह आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिनचर्या के कार्यों को या तो अच्छे से याद कर ले या उसे कॉपी या डायरी में अच्छी तरह लिख कर रखें और रोज ही अपने लिखे हुए कार्यों को सुचारू रूप से संपादित करें अपने कार्य को प्राप्त करने के लिए होमवर्क किया जाना होगो सफलता की प्राप्ति के लिए दिन के लक्ष्य को कागज पर उतार कर उससे जुड़ी हुई विषमताओं एवं चुनौतियां को लिखकर चुनौतियों के समाधान को भी अपने मस्तिष्क में स्थापित कर लेना चाहिऐ जिससे यह आपको सुनिश्चित हो जाएगा कि आप लक्ष्य की कठिनाइयों को किस तरह दूर कर पाएंगे और इनका निदान किस तरह किया जा सकेगोकई बार ऐसे अवसर आएंगे जब आपका आत्मविश्वास आपकी उर्जा एवं शक्ति डगमगाने लगेगी, ऐसे मौके या तो आपकी शारीरिक कमजोरी, मानसिक शिथिलता, सामाजिक, पारिवारिक परिस्थितियों एवं काल के कारण आपके सम्मुख आ सकती है इन परिस्थितियों में मनुष्य को लगने लगता है कि उनकी मेहनत और लक्ष्य अनायास व्यर्थ हो गई हैं, बस ऐसे ही समय में आपको अपने मस्तिष्क मे से नकारात्मक विचारों और सोच को दूर रख कर मनन कर आत्मविश्वास के साथ दूर कर आगे की ओर अग्रसर होना है यही समय है जब आपको अपने आप को संतुलित कर आगे की ओर ले जाना है, और सबसे अहम एवं महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लक्ष्य प्राप्ति के दौरान आप नकारात्मक यानी कि नेगेटिव वातावरण एवं इस तरह की मानसिकता वाले व्यक्तियों से दूर रहकर मस्तिष्क में सकारात्मक ऊर्जा भरकर आत्मविश्वास से लबालब होना है इस तरह आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति की ओर पूरी ऊर्जा और सामर्थ्य के साथ प्राप्त करने के लिए अग्रसर होंगे, लक्ष्य प्राप्ति के साधनों तथा उससे जुड़े हुए समर्थ व्यक्तियों की तलाश में भी आपको सतत रहना होगा यदि आप प्रतियोगिता परीक्षा और उसकी सफलता के लिए प्रयासरत हैं तो ऐसे व्यक्तियों को सदैव बुद्धिमान एवं मेहनती अध्येता के साथ विचार विमर्श करना चाहिए एवं लाइब्रेरी या पुस्तक विक्रेताओं से सर्वश्रेष्ठ ज्ञानार्जन के लिए किताबों का संग्रह किया जाना चाहिए या किसी का अन्य लक्ष्य हो तो सदैव उसे समय की उपयोगिता तथा उसकी सार्थकता पर जरूर ध्यान केंद्रित कर सफल व्यक्तियों का अनुसरण किया जाना चाहिए तभी सफलता उनके कदम चूमेगी और सफलता का एक ही सूत्र एवं रहस्य है कि अपने मस्तिष्क की प्रबलता बनाए रखें जाने के साथ कड़ी मेहनत भी करें, तब जाकर सफलता व्यक्ति के कदम चूमती है

# फंगस केवल फसलों का ही दुश्मन नहीं, वह इंसानों की जान के लिए भी खतरनाक है

विजय गर्ग

एक साइंस जर्नल के मुताबिक, फंगस कृषि आतंकवाद का खतरनाक हथियार हो सकता है। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम नामक एक फंगस विभिन्न अनाजों के विकास को प्रभावित करता है। इससे उपज भी कम हो जाती है। संक्रमित करने के बाद यह फंगस फसल के परिपक्व होने के साथ फैलता जाता है। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम छोटे अनाज के पौधों के तने और जड़ों के ऊतकों, अवशेषों में जीवित रहने और नये पौधों को संक्रमित करने के लिए जाना जाता है। यह माइकोटाक्सिन पैदा करता है जिसका सेवन हानिकर होता है।

बीते दिनों अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई ने मिशिगन यूनिवर्सिटी में शोधरत चीनी शोध वैज्ञानिक युनकिंग जियांग को गिरफ्तार किया जो अमेरिका में खतरनाक जैविक फंगस फ्यूजेरियम ग्रेमिनिअरम लेकर आई। वैसे फंगस विभिन्न तरह के रोग जैसे हेड ब्लाइट, रूट रौट व सीडलिंग ब्लाइट पैदा करता है। इसकी अधिकांश प्रजातियां मृदाकवक हैं। जबकि फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम फंगस गेहूं, धान, मक्का और जौ में हेड ब्लाइट रोग फैलाता है। इससे मुख्यतः वोमिटोक्सिन पदार्थ पैदा होता है जो अनाज दूषित करता है। इससे निकले विषाक्त द्रव्य से हर साल अरबों डॉलर की फसल बर्बाद होती है व उपज कम होती है।गौरतलब है कि एफबीआई ने पिछले साल जुलाई में चीनी शोध वैज्ञानिक जियान के ब्वायफ्रेंड लियू को उसके बैग में मिले लाल पौधे के पदार्थ के बारे में गोलमोल जवाब देने के बाद डेट्रायट हवाई अड्डे से वापस चीन भेज दिया था। लियू के मुताबिक, उसकी योजना मिशिगन यूनिवर्सिटी की लैब में अनुसंधान के लिए इस सामग्री का उपयोग करने की थी। इसके बाद उसने अपनी गर्लफ्रेंड जियान के जरिये छिपाकर इस खतरनाक फंगस को मिशिगन यूनिवर्सिटी की लैब तक पहुंचाया। लियू पहले इस लैब में काम करता था। फिलहाल वह चीनी यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं। एफबीआई निदेशक ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा है कि चीन अमेरिकी संस्थानों में घुसपैठ की साजिश कर रहा है ताकि खाद्य सुरक्षा तंत्र के जरिये बड़ी आबादी को नुकसान पहुंचाया जा सके। इस स्ट्रेन के अनधिकृत आयात से अधिक आक्रामक या कीटनाशक प्रतिरोधी वैरिएंट आने का खतरा बढ़ जाता है। इसके कारण नियंत्रण के उपाय कम प्रभावी होते हैं।

यह खतरनाक फंगस भारत में भी पाया जाता है। अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी आफ मेडिसिन की 2022 की रिपोर्ट की मानें तो उत्तर भारत में गेहूं की फसल में कई बार हेड ब्लास्ट के लक्षण देखे गये। हालांकि हर बार उस पर नियंत्रण पा लिया गया। इसके यहां सक्रिय होने के पीछे जलवायु परिवर्तन अहम कारण है। गेहूं की फसल के लिए इसे बड़ा खतरा माना जाता है। आईसीएआर के 2021 में ?हिमाचल और तमिलनाडु में किए व्यापक रोग-सर्वेक्षण में इस फंगस के बारे में खुलासा हुआ था। इससे गेहूं के दाने में हेड ब्लाइट या स्टैंड की समस्या हुई थी। यही नहीं 2021 और 2022 के बीच रबी सीजन में कर्नाटक कृषि विवि द्वारा किए एक सर्वे में कर्नाटक में हेड ब्लाइट की समस्या देखी गयी। असल में अमेरिका में चीनी वैज्ञानिक द्वारा फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम की तस्करी की घटना ने जहां वैश्विक कृषि सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं चेतावनी भी दी है कि इस तरह मिट्टी, बीज और फसलें भी आतंकवाद के हथियार बन सकते हैं। फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम फंगस अनाज को सड़ा भी सकता है जिससे इंसान व मवेशियों की जान के लाले पड़ सकते हैं। बेहद सूक्ष्म होने के चलते यह आसानी से पकड़ में नहीं आता और हवा, मिट्टी और बीज के जरिये अपना विस्तार करता है।

# कचहरी के सामने वकीलों ने की आगजनी

## नगर निगम ने 1000 अस्थायी चैंबर और 1500 दुकानें तोड़ीं; वकील बोले- नगर आयुक्त पर लूट की एफआईआर हो

भारत संवाद

प्रयागराज, नगर निगम ने आज सुबह कचहरी क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। कचहरी के बाहर करीब एक हजार अस्थायी वकीलों के चैंबर तोड़ दिए। आसपास की करीब 1500 दुकानें भी तोड़ दीं। इसके विरोध में वकील और दुकानदार सड़क पर उतर आए। वहां जो सामान बिखरे पड़े थे, जैसे टूटी कुर्सियां, बोर्ड आदि में वकीलों ने आग लगा दी। अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम टीम बुधवार सुबह 5 बजे 6 बुलडोजर लेकर पहुंची। साथ में पुलिस, आरएएफ और पीएसी फोर्स रही। चार थाने कर्नलगंज, सिविल लाइंस, शिवकुटी, कैंट थानों की फोर्स साथ रही। कचहरी रोड के दोनों साइड रास्ता बंद कर अतिक्रमण तोड़ा गया। करीब साढ़े चार घंटे लगे, सुबह 9.30 बजे तक कार्रवाई चली। जब खबर पाकर वकील पहुंचने लगे तो कार्रवाई बंद कर टीम चली गई। कचहरी के वकीलों ने हड़ताल की घोषणा कर दी है। जिला अधिवक्ता संघ की इमरजेंसी बैठक होगी। इसमें आगे की रणनीति तय होगी। प्रदर्शन करने वाले वकीलों ने कहा- नगर आयुक्त से हम लोगों ने मांग की थी कि जब तक हमारे अलग चैंबर की व्यवस्था न हो, चैंबर न तोड़ें। वकीलों ने कहा- नगर आयुक्त ने हमारी बातें मान ली थी। लेकिन, आज सुबह चोरों की तरह टीम आई। हमारी फाइलें, लाखों के स्टाम्प, तमाम कीमती समान, काफी कैश, लैपटॉप उठा ले गए। हम मुख्यमंत्री से मांग करते हैं कि नगर आयुक्त और जिलाधिकारी के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज किया जाए। इन दोनों का ट्रांसफर भी किया जाए। हमारे चैंबर बनवाए जाएं।

# पीएम मोदी ने पूरे विश्व को बताया कि टेरर और टॉक एक साथ नहीं चल सकता

## विरासत के साथ विकास के मंत्र के साथ कार्य कर रहे पीएम मोदी

भारत संवाद

- पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता
- प्रधानमंत्री के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण होने पर प्रोफेशनल मीट में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए मंत्री नन्दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज द्वारा बुधवार को जिला पंचायत सभागार प्रयागराज में प्रोफेशनल मीट कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मंत्री नन्दी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर चर्चा की। मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष केवल समय नहीं है, बल्कि एक यात्रा है- सपनों से संकल्पों तक और संकल्पों से सिद्धियों तक।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में हर गरीब को पक्की छत का वादा। अब तक लगभग साढ़े तीन करोड़ से अधिक आवास स्वीकृत किये जा चुके हैं।

उज्ज्वला योजना

9 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन

जनधन योजना- 50 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते और डी०बी०टी० के माध्यम से सीधा लाभ।

मुद्रा योजना स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छोटे कारोबारियों को बिना गारंटी के लोन दिये गये जिससे वे अपना नया व्यवसाय शुरू कर सकें।

जब हम हेल्थ सेक्टर की बात करते हैं तो यह केवल इलाज भर से संबंधित नहीं है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता, निरोग शरीर और बेहतर स्वास्थ्य से जुड़ा है। इस दिशा में कई कल्याणकारी कदम उठाये गए हैं।

आयुष्मान भारत योजना 10 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज।

कोरोना वैक्सीन स्वदेशी वैक्सीन का विकास

सस्ती दवाएँ प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र के माध्यम से सस्ती जेनरिक दवाएं

पिछले 11 वर्षों के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया है। युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा आधुनिक होने के साथ ही रोजगारपरक भी होनी चाहिए। माननीय प्रधानमंत्री जी ने इसका विशेष ध्यान दिया है।

फास्ट ट्रैक

## थाना को0कटरा पुलिस द्वारा नाबालिग को बहला-फुसला कर भगाने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना को0कटरा, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः15.05.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध के वादिनी की नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने तथा पुत्री के घर वापस आने पर जानकारी होने पर वादिनी द्वारा अभियुक्त के घर जाकर पूछने पर अभियुक्त एवं उसकी पत्नी व भाई द्वारा गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0कटरा पर मु0अ0सं0-144/2025 धारा 137(2),352,351(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक को0कटरा को अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना को0कटरा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-144/2025 धारा 137(2),115(2),87,74 बीएनएस व 7/8 पॉक्सो एक्ट में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः11.06.2025 को उप-निरीक्षक दिलीप कुमार मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना को0कटरा क्षेत्र से नामजद अभियुक्त विपिन पुत्र रमेश निवासी अनगढ़ रोड थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

## थाना अदलहाट पुलिस द्वारा नाबालिग को बहला-फुसला कर भगाने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना अदलहाट, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः09.06.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध के वादी की नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0-182/2025 धारा 137(2),87,352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मावरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक अदलहाट को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अदलहाट पर पंजीकृत मु0अ0सं0-182/2025 धारा 137(2), 87,352, 351(3) बीएनएस में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः11.06.2025 को उप-निरीक्षक संजय सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना अदलहाट क्षेत्र से नामजद अभियुक्त बबलू सोनकर पुत्र सीताराम निवासी रूपौधा थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

## थाना लालगंज पुलिस द्वारा 45 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब के साथ 03 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः11.06.2025 को उप-निरीक्षक जितेन्द्र यादव, अनिलेश कुमार द्विवेदी व सुभाषचन्द्र यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से अभियुक्त 1.राजेश पुत्र बैजनाथ निवासी बसहीकलां थाना लालगंज जनपद मीरजापुर, 2.राजेन्द्र प्रसाद पुत्र नन्हकू निवासी लालगंज थाना लालगंज जनपद मीरजापुर व रामप्रसाद पुत्र रामकरन विश्वकर्मा निवासी कस्बा लालगंज थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को 15-15 लीटर (कुल 45 लीटर) अवैध कच्ची देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

# आन्दोलन की जीत, आयोग ने मानी बात

## आपातकालीन मीटिंग बुलाकर परीक्षा पर स्थिति स्पष्ट

भारत संवाद

प्रयागराज, शिक्षा सेवा चयन आयोग पर युवा मंच के नेतृत्व में मंगलवार को हुए घेराव के बाद आयोग ने पी०जी०टी० की परीक्षा पर स्थिति स्पष्ट कर अगस्त में परीक्षा कराने की नोटिस जारी कर दिया लेकिन टी०जी०टी० के सम्बन्ध में जिक्र न करने पर युवा मंच प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, अमित पांडेय, विनय कुमार मौर्य, शीतला प्रसाद ओझा, प्रभाकर सिंह की उप सचिव से हुई वार्ता कर पी०जी०टी० व टी०जी०टी० की परीक्षा को लेकर स्पष्टीकरण की बात कही जिस पर आयोग की अध्यक्ष महोदया ने तत्काल आपातकालीन बैठक बुलाकर छात्र हित में निर्णय लेने की बात कही युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया कि आयोग की परीक्षा तिथियों में तीन बार बदलाव होने से प्रतियोगियों में काफी आक्रोश है इसलिए आयोग को तत्काल परीक्षा को लेकर स्थिति स्पष्ट की जाए अन्यथा की स्थिति में आयोग के खिलाफ आर - पार की लड़ाई का ऐलान होगा जिसकी सारी जिम्मेदारी आयोग की होगी। शिक्षा सेवा चयन आयोग के उपसचिव ने बताया कि आयोग की सुचिता को ध्यान में रखते हुए जल्द परीक्षा तिथि घोषित होगी साथ ही साथ यह आयोग की जबाब देही होगी कि परीक्षा नियत समय पर हो। नये विज्ञापन को लेकर शिक्षा सेवा चयन आयोग का कहना है कि जून महीने में ट्रांसफर प्रमोशन की प्रक्रिया गतिमान है जो लास्ट जून तक पूरी हो जाएगी उसके बाद आयोग को अधियाचन मिलते ही विज्ञापन जारी किया जाएगा, इस अवसर पर युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, शीतला प्रसाद ओझा, प्रभाकर सिंह परिहार, बी०एम०भरद्वाज, विनय कुमार मौर्य, रविन्द्र पाण्डेय, मान सिंह, शिव राज, विमलेश सिंह, राम जी, मनीष तिवारी, अमित पांडेय, सुनील कुमार, लकी पाल सहित सैकड़ों अभ्यर्थी मौजूद रहे।

# विकसित भारत के लिए समर्पित मोदी सरकार

## पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष- बेमिसाल रहे है: केशव प्रसाद मौर्य

भारत संवाद

- यही है नया भारत, यही है विश्व का विश्वास
- 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले, ऐसे लोगों को खाद्यान, आवास, चिकित्सा आदि बुनियादी सुविधा मुहैया कराई गई

लखनऊ / वाराणसी : उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य विकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को सर्किट हाउस सभागार वाराणसी में पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि 11 वर्षों में मोदी सरकार ने सेवा को संकल्प, सुशासन को संस्कृति और सुरक्षा को सर्वोच्च बनाया। प्राथमिकता, यही है नया भारत, यही है विश्व का विश्वास। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है। मोदी सरकार की हर योजना के केन्द्र में जनकल्याण और आम नागरिक के जीवन को आसान करने के साथ- साथ देश को वैश्विक स्तर पर नए आयाम देने की भावना रही है। बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में मोदी सरकार ने सीमा सुरक्षित की, अर्थव्यवस्था मजबूत की, और टेक्नोलॉजी को जन-जन तक पहुंचाया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 11 वर्षों के कार्यकाल की केंद्र सरकार की उपलब्धियां बताते हुये कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और एयरबेस को ध्वस्त कर यह दिखा दिया कि अब मोदी का यह नया भारत घर में घुसकर आतंक का सफाया करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट और सख्त संदेश भी दिया कि आतंक, पानी और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। पूरे विश्व को प्रधानमंत्री मोदी जी ने स्पष्ट कर दिया कि भारतीय धरती पर किसी भी हमले को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम, 'ब्रह्मोस, आकाश मिसाइल, आइएनएस विक्रांत, तेजस और, प्रचंड' अटैक हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी तकनीकों के साथ अब भारत न केवल आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है बल्कि आज रक्षा उपकरणों का निर्यात भी कर रहा है। संकट काल के दौरान मोदी सरकार ने अपने नागरिकों को विश्व भर के हर कोने से सुरक्षित निकालकर यह सिद्ध किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार केवल सीमाओं के भीतर नहीं, विश्वभर में भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान ऑपरेशन गंगा, अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के समय ऑपरेशन देवी शक्ति और कोविड में वंदे भारत मिशन के जरिए मोदी सरकार करोड़ों भारतीयों को विदेशों से सुरक्षित लेकर आई। रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान तो अन्य देशों के नागरिक भी भारतीय झंडे को लहराकर अपना बचाव कर रहे थे।

# प्रयागराज मण्डल का माल लदान से आय के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन

## चालू वित्तीय वर्ष के मई माह में 64.64 करोड़ रुपये आय अर्जित

भारत संवाद

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक (गुड्स), श्री अतुल यादव के प्रयासों से प्रयागराज मण्डल में मालभाड़ा परिवहन की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए योजनबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। प्रयागराज मण्डल ने मालभाड़ा परिवहन में शानदार प्रदर्शन करते हुये चालू वित्तीय वर्ष में सराहनीय प्रदर्शन किया है। परिवहन के क्षेत्र में अच्छी सेवाएँ उपलब्ध कराने से प्रयागराज मण्डल में माल ढुलाई में निरंतर वृद्धि हो रही है। सुगम परिवहन, निर्धारित समय पर सुरक्षित डिलीवरी, व्यापार और उद्योग जगत के साथ निरंतर संपर्क और सार्थक संवाद से प्रयागराज मण्डल लगातार अपनी आय में भी बढ़ोतरी कर रहा है। इसी क्रम में प्रयागराज मण्डल ने माल लदान के क्षेत्र में बेहतर कार्य करते हुए चालू वित्तीय वर्ष के मई माह में 64.64 करोड़ रुपये आय अर्जित की है जो कि गत वित्तीय वर्ष के मई माह में अर्जित आय से 4.7 प्रतिशत अधिक है। दौरान 10110 कंटेनर माल लदान से 38.40 करोड़ रुपये आय अर्जित की है जबकि गत वित्तीय वर्ष के मई माह में 9690 कंटेनर माल लदान से 34.21 करोड़ रुपये आय अर्जित की थी। प्रयागराज मण्डल ने चालू वित्तीय वर्ष के मई माह में 810 वैगन स्टोन लदान से 4.28 करोड़ रुपये आय अर्जित की है जबकि गत वित्तीय वर्ष के मई माह में 348 वैगन के माल लदान से 2.12 करोड़ रुपये आय अर्जित की थी। प्रयागराज मण्डल ने चालू वित्तीय वर्ष के मई माह में सीमेंट लदान से 8.05 करोड़ रुपये आय अर्जित की है जबकि गत वित्तीय वर्ष के मई माह में सीमेंट लदान से 7.55 करोड़ रुपये आय अर्जित की थी।

# मंत्री पासवान ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं

भारत संवाद

प्रयागराज, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने प्रयागराज में मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के नए शिखरों को छू रहा है। पासवान ने बताया कि 2014 में पीएम मोदी ने शपथ ग्रहण के समय स्पष्ट किया था कि यह सरकार जाति या धर्म नहीं, बल्कि गरीब, महिला, किसान और युवा की उन्नति पर ध्यान देगी। पिछले 11 वर्षों में सड़क, रेल, शिक्षा, स्वास्थ्य और हवाई अड्डों से लेकर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तक का विकास हुआ है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा कि इंदिरा गांधी से राहुल गांधी तक सभी 'गरीबी हटाओ' का नारा लगाते रहे। लेकिन मोदी सरकार ने जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और पीएम आवास योजना से गरीबों को सीधे लाभ पहुंचाया है। राहुल गांधी के 'विकसित भारत 2047' वाले बयान पर उन्होंने कटाक्ष किया। कहा कि विपक्ष मुद्दाविहीन है और सिर्फ चर्चा में रहने के लिए बयानबाजी करता है। महाकुंभ हादसे पर मंत्री ने दुख जताते हुए कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। दाऊद खां रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग पर उन्होंने कहा कि यह विषय उनके संज्ञान में नहीं है।

# तत्काल योजना में संशोधन

भारत संवाद

यह सुनिश्चित करने के लिए कि तत्काल ट्रेन टिकटों का लाभ आम आदमी और व्यक्तियों को मिले, भारतीय रेलवे ने कई कदम उठाए हैं:

टिकट बुकिंग के लिए बॉट सॉफ्टवेयर का उपयोग करने के लिए पिछले छह महीनों में 2.5 करोड़ संदिग्ध IRCTC आईडी ब्लॉक की गई हैं।

व्यक्तिगत उपयोगकताओं के लिए तत्काल ई-टिकट बुक करने के लिए आधार को अनिवार्य बना दिया गया है।

रेलवे काउंटर/विंडो टिकट पर तत्काल बुकिंग के लिए यात्रियों/प्रतिनिधियों को मोबाइल नंबर और ओटीपी प्रदान करना होगा। मोबाइल/ओटीपी के सफल प्रमाणीकरण के बाद, तत्काल टिकट तैयार हो जाएगा।

तत्काल टिकट बुकिंग के पहले 30 मिनट केवल व्यक्तिगत ऑनलाइन उपयोगकताओं और स्टेशनों पर पीआरएस काउंटर से टिकट बुक करने वाले व्यक्तियों के लिए उपलब्ध होंगे।

ट्रैवल एजेंट और अधिकृत एजेंसियां आधे घंटे के बाद टिकट बुक कर सकती हैं, यानी ट्रैवल एजेंट एसी क्लास में 10:30 बजे से और नॉन एसी के लिए 11:30 बजे के बाद तत्काल टिकट बुक कर सकते हैं।

एसी के लिए 10:00 से 10:30 बजे तक और नॉन एसी के लिए 11:00 - 11:30 बजे तक व्यक्तिगत ऑनलाइन उपयोगकर्ता और विंडो टिकट उपयोगकताओं के लिए विशेष सुविधाएँ।

गैर-आधार उपयोगकताओं के लिए, तत्काल टिकट बुकिंग पीआरएस काउंटरों और अधिकृत ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से की जा सकती है। के साथ ई-टिकटिंग

IRCTC पर तत्काल के लिए टिकट बुकिंग केवल आधार सत्यापित खातों के लिए 01-07-2025 से अनुमत होगी।

आधार प्रमाणीकरण के लिए ओटीपी का प्रावधान 15-07-2025 तक लागू किया जाएगा।

यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ प्रावधान किए गए हैं कि बॉट (या अन्य सॉफ़्टवेयर साधन) वास्तविक उपयोगकताओं की तुलना में तेजी से टिकट बुक करने में सक्षम न हों।

मोबाइल ओटीपी के साथ विंडो टिकट बुकिंग

विंडो टिकट के लिए बुकिंग करने वाले व्यक्ति को एक मोबाइल नंबर देना होगा जिस पर सत्यापन के लिए ओटीपी भेजा जाएगा। यह प्रावधान 15-07-2025 तक लागू किया जाएगा।

# हॉलीवुड टू द हिमालयज बेस्टसेलिंग कृति की लेखिका डा साध्वी भगवती सरस्वती जी का 25वां सन्यास दीक्षा रजत जयंती समारोह, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में आयोजित

- पूज्य संतों का पावन आशीर्वाद, उद्बोधन व मंगलकामनायें
- संत श्री कबीरदास जी महाराज जी की जयंती के दिव्य अवसर पर सभी पूज्य संतों ने भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित की

ऋषिकेश, उत्तराखंड। परमार्थ निकेतन में आज डा साध्वी भगवती सरस्वती जी का 25 वां सन्यास दीक्षा रजत जयंती समारोह पूज्य संतों के पावन सान्निध्य में मनाया। यह उनकी भक्ति, सकारात्मक परिवर्तन और अटूट आध्यात्मिक समर्पण की ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक यात्रा का पावन उत्सव है। साध्वी जी का सन्यास दीक्षा रजत जयंती समारोह परमार्थ निकेतन के श्रीराम कथा मंच पर अत्यंत भव्यता और श्रद्धा से आयोजित हुआ।

साध्वी भगवती सरस्वतीजी, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित आध्यात्मिक मार्गदर्शिका, परमार्थ निकेतन की अंतर्राष्ट्रीय निदेशिका और डिवाइन शक्ति फाउंडेशन की अध्यक्ष के रूप सम्पूर्ण मानवता की सेवा कर रही है। स्वामी चिदानन्द सरस्वतीजी ने कहा कि भारत में जन्म होना दुर्लभ है और पूज्य संतों का दर्शन और भी दुर्लभ है। हर भारतीय परमात्मा का जीता जागता हस्ताक्षर है। हम सब का सौभाग्य है कि हमें भारत भूमि में जन्म मिला है। साध्वी जी ने हॉलीवुड में जन्म लिया, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण की, भारत घुमने आयी और भारत की ही होकर रह गयी। साध्वी जी को आज से 28 वर्ष पूर्व मानसरोवर की धरती पर 351 विभूतियों के पावन सान्निध्य में पूज्य स्वामी गुरूशरणानन्द जी महाराज ने भगवती नाम दिया और सन्यास दीक्षा प्रदान की। 1996 में साध्वी जी भारत की धरती पर पहली बार उतरी और पूज्य भाई श्री की कथा से अपने जीवन की यात्रा प्रारम्भ की। इस अवसर पर स्वामी जी ने वर्ष 2010 के महाकुम्भ और हिन्दु धर्म विश्व कोश जो सनातन धर्म की रक्षा का कवच है उसके सम्पादन में साध्वी जी की भूमिका की सभी स्मृतियों को ताजा किया। उस ग्रंथ के सम्पादन हेतु साध्वी जी ने 18 से 20 घन्टे सेवा कार्य किया यह उनकी सनातन साधना ही है। महामण्डलेश्वर स्वामी राजेन्द्र दास जी ने कहा कि पूज्य स्वाजी जी गंगा जी सहित पूरे विश्व की नदियों के तटों पर आरती के पर्याय हैं। शक्ति के बिना व्यक्ति का व्यक्तित्व व्यर्थ है। स्वभाव से सन्यासी सदैव बालक होता है, साधन से सन्यासी युवा होता है और अनुभव से सन्यासी वृद्ध होते हैं। स्वरूप व संस्कार की प्रक्रिया में भेद हो सकता है पर भाव में कभी भेद नहीं होता और सन्यास की परिभाषा में किसी का भेद नहीं है। सच्चा साधु, सच्चा सन्यासी व सच्चा साधक वही है जो अपने लिये नहीं बल्कि सम्पूर्ण संसार के लिये उपयोगी होता है। साध्वी जी मन, वाणी व क्रिया से अपने को संत, राष्ट्र, समाज की सेवा के लिये समर्पित है इसमें सदैव विस्तार होता रहे। योगऋषि स्वामी रामदेवजी ने कहा कि संसार से विरति और प्रभु में रति ही तो सन्यास है। सन्यास, अनंत की यात्रा है। सन्यास अर्थात प्रभु को अपनी अंगुली पकड़ा दि वो जहां चाहे ले जाये। साध्वी जी प्रभु की सभी दैवीय सम्पदा को जी रही है। सन्यास, अर्जित करना नहीं अर्पित करना है; जोड़ना नहीं बांटना है।

# मीडिया फोटोग्राफर्स क्लब द्वारा जेठ माह के पांचवें बड़े मंगलवार पर भव्य भण्डारे का आयोजन

भारत संवाद

लखनऊ, जेठ माह के पावन अवसर पर एवम अंतिम मंगलवार को मीडिया फोटोग्राफर्स क्लब द्वारा क्लब कार्यालय, विकासदीप बिल्डिंग परिसर में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। जो धार्मिक आस्था एवं सेवा भाव से ओतप्रोत रहा, जिसमें बड़ी संख्या में क्लब के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजक मंजू श्रीवास्तव ने बताया की विगत 14 वर्षों से इस भंडारे का आयोजन होता आ रहा है। इससे पूर्व मीडिया फोटोग्राफर्स क्लब के संस्थापक अध्यक्ष स्मृतिशेष एस एम पारी के नेतृत्व में इसका आयोजन होता रहा है। जिसमे क्लब से जुड़े लोगों के अलावा आमजन ने भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया। उन्होंने बताया की इस बार का भंडारा ऑपरेशन सिंदूर एवम शहीदों की याद में आयोजित किया गया। अध्यक्ष संजीव गोसाईं ने बताया कि भंडारे में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, भाजपा संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जेपीएस राठौर, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी, प्रवक्ता कांग्रेस अंशु अवस्थी, समाज वादी पार्टी के पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप, मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी, समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह, मीडिया प्रभारी सोनू यादव, मीडिया प्रभाग के मधुकर त्रिवेदी, प्रदीप शर्मा, राष्ट्रीय लोकदल की प्रदेश महासचिव नम्रता शुक्ला, राष्ट्रीय अध्यक्ष मिशन सुरक्षा परिषद व पूर्व ओएसडी मायावती गंगाराम अंबेडकर, डीआईजी राजीव मल्होत्रा, डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव, डीएसपी सौम्या पांडे, पूर्व आईएएस एवम्-दर्जा प्राप्त मंत्री भाजपा सुधाकर त्रिपाठी, पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया, समाजसेवी मुरलीधर आहूजा, वासुदेव चावला, पूर्व पार्षद व दर्जा प्राप्त मंत्री नानक चंद्र, पूर्व मंत्री दर्जा प्रपात समाजवादी पार्टी राजेश यादव, डॉ. उमंग खन्ना, पूर्व महिला क्रिकेटर निगहत खान, वरिष्ठ पत्रकार भारत सिंह, रिजवान खान, अभिषेक मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पत्रकारों के अलावा छायाकार मनोज छाबडा, नन्द कुमार सिंह, सुशील सहाय, रंगनाथ तिवारी, हदेश चंदेल, अनिल सैनी, सज्जाद बाकर, जरगाम हैदर, १२सोमेश गुहा सहित बड़ी संख्या में क्लब व आमजन ने भंडारे में शिरकत की।

# ओएलएफ से हटेंगे वेंडर्स,नगर आयुक्त ने वैंडिंग जोन में व्यवस्थित होने के लिए दी सात दिन की मोहल्त

**ओएलएफ के पास ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए नगर आयुक्त ने उठाया सख़्त कदम, सात दिन बाद से जब्त होगा सामान**

डॉली शर्मा संवादाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ़। रामघाट रोड पर अवर लेडी फातिमा और संत फिदेलिस स्कूल के पास ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावी बनाए जाने के लिए नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने इस क्षेत्र को नो वेंडिंग जोन बनाने का निर्णय लिया है।नगर आयुक्त ने उप नगर आयुक्त अमित कुमार सिंह और प्रवर्तन टीम के साथ अवर लेडी फातिमा के पास खड़े होने वाले वेंडर्स को पराग मिल और स्टेडियम के पास बने वेंडिंग जोन में शिफ्ट करने के निर्देश दिए।नगर आयुक्त ने उप नगर आयुक्त अमित कुमार सिंह को अगले एक हफ्ते के अंदर अवर लेडी फातिमा के पास खड़े होने वाले समस्त वेंडर्स को इन दोनों वेंडिंग जोन में व्यवस्थित कराये जाने की जिम्मेदारी दी।नगर आयुक्त ने लेडी फातिमा के पास खड़े होने वाले सभी वेंडर्स को सात दिन की मोहल्लत देते हुए कहा सात दिन की अवधि के उपरांत जो वेंडर्स शिफ्ट नहीं होते हैं और अवर लेडी फातिमा स्कूल के पास खड़े होकर ट्रैफिक व्यवस्था में बाधा डालते हैं उनके सामान को जब्त करने और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा रामघाट रोड अति व्यस्ततम रोड है और लेडी फातिमा और संत फिदेलिस स्कूल के बच्चों के लिए इस जोन को नो वेंडिंग जोन बनाया गया है ताकि यहां पर सुगम यातायात व्यवस्था रहे आने वाले दिनों में स्कूल खुलेंगे इस लिहाज से भी इस व्यवस्था को जल्द से जल्द प्रभावी बनाया जाना जरूरी है सात दिन की मोहल्लत सभी वेंडर्स को दोनों वेंडिंग जोन में शिफ्ट होने के लिए दी गई है।

# बाल श्रम पर समाज के सभी वर्गों को संवेदनशीलता दिखानी होगी: शीतल टण्डन

**जिला व्यापार मण्डल द्वारा बालश्रम निषेध दिवस की पूर्व संध्या पर बैठक का आयोजन**

भारत संवाद

सहारनपुर ।प्रत्येक वर्ष 12 जून को बालश्रम निषेध दिवस के मनाये जाने के कार्यक्रमों की श्रृंखला में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल जनपद सहारनपुर की जिला इकाई के प्रमुख पदाधिकारियों एक विशेष बैठक स्थानीय जिला मुख्यालय कार्यालय रेलवे रोड पर आयोजित की गयी।इस अवसर पर व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन ने कहा कि बाल श्रम के प्रति समाज के सभी वर्गों को अपनी संवेदनशीलता दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि बालश्रम एक ऐसा सामाजिक अभिशाप है, जो शहरों में गांवों में चारों तरफ मकड़जाल की तरह बचपन को अपने आगोश में लिए हुए है।खेलने-कूदने के दिनों में कोई बच्चा श्रम करने को मजबूर हो जाए, तो इससे बड़ी विडम्बना किसी भी समाज के लिए क्या हो सकती है?बालश्रम से परिवारों की आय स्त्रोतों का एक छोटा सा भाग ही प्राप्त होता है, जिसके लिए गरीब परिवार अपने बच्चों के भविष्य को गर्त में झोंक देते हैं, गोपाल दास नीरज ने बालश्रम की इसी भयावह स्थिति का वर्णन करते हुए लिखा है-जिनको जाना था यहां पढ़ने को स्कूल, जूतों पर पॉलिश करें वो भविष्य के फूल। श्री टण्डन कहा कि बालश्रम की कुरीतियों को खत्म करने के लिए सरकार का दायित्व ही नही है, हमारे घरों में ढाबों में होटलों में अनेक बालश्रम मिल जायेंगे, जो कड़ाके की ठण्ड या तपती धूप की परवाह किये बगैर काम करते हैं।सभ्य होते समाज में यह अभिशाप अभी तक भी क्यो बरकरार है? क्यों तथाकथित सभ्य एवं सुरक्षित परिवारो में नौकरों के रूप में छोटे बच्चो को पसन्द किया जाता है? आर्थिक रूप से सशक्त लोगों को घर के कामकाज हेतु गरीब एवं गांव के बालश्रमिक ही पसन्द आते हैं।इन छोटे श्रमिकों की मजबूरी समझिए कि इन छोटे-छोटे कंधों पर बिखरे हुए परिवारों के बडे.बोझ हैं। श्री टण्डन ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारी स्तर से लेकर व्यक्तिगत स्तर तक सभी लोग इसके प्रति सजग रहे हैं और बाल श्रम के कारण बच्चों का बचपन न छिन जाए, इसके लिए कुछ सार्थक पहल करें। हम सबका दायित्व है कि इनकी दशा परिवर्तन हेतु मनोयोगपूर्वक सार्थक प्रयास करें। जिससे राष्ट्र के भावी नागरिकों के बालपन की स्वाभाविकता बनी रह सके।इस सम्बन्ध में श्री टण्डन द्वारा आज उप श्रमायुक्त वन्दना गुप्ता से भी वार्ता की गयी।

फास्ट ट्रैक

# किसान प्रशिक्षण के माध्यम से नैनो उर्वरकों के प्रयोग की दी जानकारी

भारत संवाद

ग्राम बेलहाबांध , सांवडीह और खोदायपुर के 44 कृषकों हेतु कॉर्डेट ,मोतीलाल नेहरू फार्मर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट द्वारा समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में कोरडेट फूलपुर के प्रधानाचार्य डॉक्टर डी. के. सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उपस्थित कृषकों को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य महोदय ने किसानों को नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रयोग से होने वाले लाभों तथा खरीफ फसलों में नैनो उर्वरकों के प्रयोग की विधि को विस्तार से बताया ।उन्होंने बताया की नैनो डीएपी तरल से 5 एम.एल. प्रति किलो बीज की दर से शोधन करके बुवाई करनी चाहिए या रोपाई वाली फसलों का जड़ शोधन 5 एम.एल. प्रति लीटर पानी के घोल से करना चाहिए। इसी क्रम में फसल के 35 से 40 दिन की अवस्था पर नैनो यूरिया प्लस का पर्णीय छिड़काव 4 एम.एल. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर करना चाहिए। नैनो उर्वरक पर्यावरण हितैषी उत्पाद है ।इफको सदा किसानो की सेवा के लिए तत्पर है। आईआरडीपी प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने खेती में जैव उर्वरकों एवं जैव अपघटक के प्रयोग की विस्तार से जानकारी दी ।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी कृषकों को पपीते की पौध निःशुल्क वितरित की गई।

# गोंडा ब्लॉक के गांव सुबकरा में पोखर तालाब पर लोगों ने कर रखा है अवैध कब्जा

चौ,बहादुर सिह संवाददाता गोंडा /भारत संवाद

अलीगढ गोंडा ब्लॉक के गांव सुबकरा निवासी जितेंद्र मास्टर पुत्र होती सिंह ने बताया कि हमारी हर साल खेतों में खड़ी फसल बर्बाद हो जाती है तालाब के पानी से और इसके लिए हमने श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय से कई बार लिखित में सूचना दी लेकिन हर बार हमें आश्वासन दिया जाता है और आज तक इस तालाब की सफाई नहीं हुई है जो के पूरे गांव का पानी इसी में आता है और हमारे साथ-साथ और भी कई किसान है जिनकी फसल बर्बाद हो जाती है जो पानी गांव का इस तालाब में आता है वह तालाब इतना ऊपर तक भर जाता है कि पूरे खेतों में चला जाता है पानी जिससे हम फसल नहीं बो पाते जब इस बात की सूचना भारत संवाद समाचार पत्र वालों को पता चली तो अखबार की टीम मौके पर पहुंची तो प्रधान से जानकारी ली तो प्रधान प्रतिनिधि हरिओम सिंह ने बताया कि मैंने इसकी लिखित में कई बार शासन प्रशासन को अवगत कराया है लेकिन प्रशासन से कोई नहीं आ पाता क्योंकि इस तालाब पर लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है और उन्होंने बताया कि तालाब पोखर14 बीघा के लगभग है लेकिन मौजूदा में 5 बीघा ही है और बाकी चारों तरफ से लोगों ने घेर कर कब्जा कर रखा है जिसकी वजय से उसकी सफाई भी नहीं हो पाती है तो किसानों की फसलों में नुकसान होता रहता है उन किसानों का कहना है कि अगर शासन प्रशासन चाहे तो यह तालाब कब्जा मुक्त करया जा सकता है। पीड़ित किसान में सुखपाल सिंह सुरेश कुमार वीरेंद्र सिंह जगबीर पंडित जी लोचन सिंह जितेंद्र मास्टर यह सभी किसान है जिनका नुकसान इस तालाब के पानी से होता है हर साल किसानों को आश्वासन तो मिलता है पर समाधान अभी तक नहीं हुआ पीड़ित किसानों का कहना है अगर जल्दी इसका समाधान नहीं हुआ तो हम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के पास अपनी फरियाद लेकर जाएंगे।

# अवॉर्ड सेरेमनी का भव्य आयोजन, प्रतिभाओं को मिला सम्मान

**मंगलायतन विश्वविद्यालय में सम्मान पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे**

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़।मंगलायतन विश्वविद्यालय सभागार में अवार्ड सेरेमनी 2025 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के तीन प्रमुख कार्यक्रमों अथर्व, स्पोर्ट्स कोलोसीयम और दक्ष में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों व स्वयंसेवकों को उनकी उत्कृष्ट भूमिका के लिए सम्मानित किया गया।

अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह, डीन एकेडमिक प्रो. राजीव शर्मा, चीफ प्रॉक्टर प्रो. प्रमोद कुमार व प्रो. अब्दुल वदूद सिद्दीकी की गरिमामयी उपस्थित रही। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक उत्सव अथर्व की रिपोर्ट डा. पूनम रानी, स्पोर्ट्स कोलोसियम की रिपोर्ट डा. भारतेंदु चौहान व अकादमिक उत्सव दक्ष की रिपोर्ट डा. स्वाति अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत की गई। आयोजनों में सक्रिय योगदान देने वाले समन्वयकों, सह-समन्वयकों, स्वयंसेवकों व तकनीकी सदस्यों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। अथर्व व दक्ष के साथ खेल प्रतियोगिताओं क्रिकेट, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, खो-खो, बैडमिंटन, फुटबॉल टूर्नामेंट आदि और हिंदी दिवस के विजेताओं को मंच पर प्रमाणपत्र और पदक देकर सम्मानित किया गया। विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मकता संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी होती है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य न केवल शिक्षा देना है, बल्कि नेतृत्व, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रोत्साहित करना है। इसके लिए प्रत्येक वर्ष गतिविधियों में इजाफा किया जा रहा है। हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में

उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।कुलसचिव ने कहा हार और जीत अपनी जगह है, ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर मिलता है। यह समारोह न केवल उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि आगे और बेहतर करने की प्रेरणा भी देता है।शिक्षा और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का संतुलन ही विद्यार्थियों के समग्र विकास की कुंजी है। डीएसडब्ल्यू डा. मनोज वार्ष्णेय ने आभार व्यक्त किया। संचालन डा. दीपिका बांदिल व एंजेला ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह संपन्न हुआ।

# पीटीए मार्ग के अलीगढ़-पलवल सेक्शन में भू-अर्जन से प्रभावित कोल एवं खैर के ग्रामों में 30 जून तक बंटेगा प्रतिकर

**एडीएम प्रशासन ने कार्मिकों की तैनाती कर शिविर लगाते हुए आवश्यक कार्यवाही के दिए निर्देश**

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पंकज कुमार ने बताया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-334 अलीगढ़-पलवल सेक्शन के निर्माण एवं चौड़ीकरण में भू-अर्जन से प्रभावित तहसील कोल एवं खैर के भू-स्वामियों को प्रतिकर की धनराशि वितरित की जानी है।उन्होंने बताया कि भू-अर्जन से प्रभावित उक्त ग्रामों के भू-स्वामियों को प्रतिकर की धनराशि वितरित किए जाने के लिए विभिन्न तिथियों में शिविर आयोजित किए जाने के लिए कार्मिकों की तैनाती कर दी गई है।उन्होंने बताया कि रेसरी, गनेशपुर, अरार्ना में 12 जून, घरबरा, टप्पल, स्यारौल में 13 व 16 जून, सोतीपुरा, फाजिलपुर कलां, खण्डेहा में 17 व 18 जून, उसरह रसूलपुर, जलालपुर, इतवारपुर में 19 व 20 जून, बुलाकीपुर, हीरपुरा, करसुआ में 21 व 23 जून, घरबरा, खण्डेहा, लौहसरा विसावन में 24 व 25 जून, पड़ियावली, बैरमगढ़ी, पड़ील में 27 व 28 जून और कनौरा, असरोई व मुकन्दपुर में 30 जून को शिविर लगाए जाएंगे। एडीएम प्रशासन ने तैनात किए गए क्षेत्रीय लेखपाल, भूमि अध्याप्ति अमीन एवं भूमि अध्याप्ति सहायक को निर्देशित किया है कि अपने-अपने ग्रामों के फार्म-सीसी भरवाना एवं अन्य औपचारिकताएं पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, ताकि प्रतिकर वितरण की कार्यवाही यथाशीघ्र संपादित की जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि जिन ग्रामों के काश्तकार बाहर के निवासी हैं अथवा बाहर रहते हैं, उन्हें भी सूचित कर फार्म-सीसी भरवाना सुनिश्चित करें और कार्य प्रगति की आख्या संबंधित उप जिलाधिकारी के माध्यम से प्रतिदिन एनएचएआई कार्यालय कलैक्ट्रेट में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

# ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि द्वारा ब्राह्मणों को गाली देने पर ब्राह्मणों में रोष

बहादुर सिंह संवाददाता गौंडा /भारत संवाद

अलीगढ। गौंडा/ ब्लॉक इगलास के ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अरुण फौजी ने इगलास ब्लाक के गांव वैलोठ की महिला प्रधान पति पूर्व फौजी के साथ अभद्र भाषा में गाली गलौज की गई है। जिसका ऑडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है इसके संबंध में आज गौंडा पर ब्राह्मणों की एक बैठक आयोजित की गई ।जिसमें उनके द्वारा उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अरुण फौजी को पार्टी से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करने की मांग की गई है।एवं पूर्व फौजी प्रधान पति से माफी मांगने की मांग की गई है और कहां है भाजपा में रहकर बसपा की मानसिकता से कार्य नहीं होने दिया जाएगा। जिन्होंने मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष के लिए पार्टी से तत्काल निष्कासित करने की रजिस्ट्री के माध्यम से भेजा है। वहीं दूसरी कॉल रिकॉर्ड में चौधरी समाज जाट समाज को गाली देना बताया गया है और कहां ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अरुण फौजी ने कि मुझे नहीं मालूम था यह ब्राह्मण है मैं तो चौधरी समझ रहा था इस बात को लेकर चौधरी जाट समाज में भी रोष है आखिर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि इगलास की मानसिकता कैसी हो गई की एक मूर्ति के चक्कर में इतना बड़ा विवाद खड़ा हो गया इस मौके पर गजेंद्र सारस्वत, प्रमोद सारस्वत, हरीश भारद्वाज, सुभाष शर्मा , कुमारपाल शर्मा, दिनेश पालीवाल, रजत उपाध्याय, अजय कुमार शर्मा, आदि लोगों के द्वारा बैठक में भाग लिया गया।

# समर कैम्प का समापन, महापौर ने प्रतिभागियों को किया सम्मानित

भारत संवाद

सहारनपुर। सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल सहारनपुर में चल रहे 15 दिवसीय समर कैंप का समापन समारोह उल्लासपूर्ण वातावरण में साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में ग्लोबल डिस्कवरी स्कूल तथा सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से भाग लिया। स्कूल के बच्चों ने विविध रचनात्मक विधाओं जैसे योग, नृत्य, संगीत, नाट्यकला, चित्रकला, मार्शल आर्ट, की आकर्षक पेश किया। समारोह में छात्रों की माताओं ने भी मंच पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी। इस दौरान योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रस्तुत ध्यान और आसनों की प्रस्तुति ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया इसके साथ ही ग्लोबल डिस्कवरी स्कूल तथा सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के सभी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती दीपाली गुप्ता , एडमिन मैनेजर सौरभ पाण्डेय , ग्लोबल डिस्कवरी स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमति शालिनी अरोड़ा एवं प्रबंधन समिति के द्वारा यह समर कैंप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर के मेयर डा.अजय सिंह ने कहा कि विद्यालय में स्पोर्ट्स, मार्शल आर्ट, म्यूजिक ,अबाकस, स्विमिंग पूल जैसी अनेक सुविधाएं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत जरूरी है।

# यातायात पुलिस ने भीषण गर्मी में ठंडी छबील लगायी

सहारनपुर।यातायात पुलिस द्वारा आज एकादशी के उपलक्ष में एक छबील का आयोजन किया गया जिसमें रागिरो को प्रसाद के रूप में मीठा शरबत वितरित किया गया यातायात पुलिस ने आज यातायात प्रभारी अमित तोमर के नेतृत्व में यातायात पुलिस के कर्मचारी व होमगार्ड ने मिलकर आज एकादशी के शुभ अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया

## आवश्यक सूचना

**रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बरूआसागर-निवाड़ी- टेहरका स्टेशनों के मध्य दोहरीकरण हेतु नॉन इंटरलार्किंग एवं कट-कनेक्शन कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण एवं मार्ग परिवर्तन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-**

**गाड़ियों का निरस्तीकरण**

| गाड़ी संख्या | स्टेशन से - स्टेशन तक | प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि |
|---|---|---|
| 11802 | प्रयागराज - ग्वालियर | 13.06.25 |
| 11801 | ग्वालियर - प्रयागराज | 13.06.25 |
| 64613 | वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - बांदा मेमू | 12.06.25,13.06.25 |
| 64614 | बांदा - वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मेमू | 12.06.25,13.06.25 |
| 64611 | वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - मानिकपुर मेमू | 12.06.25,13.06.25 |
| 64612 | मानिकपुर - वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मेमू | 13.06.25,14.06.25 |

**गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन**

| गाड़ी संख्या | स्टेशन से स्टेशन तक | निर्धारित मार्ग | प्रस्तावित परिवर्तित मार्ग वाया | प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 19666 | उदयपुर सिटी -खजुराहो | वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - महोबा-खजुराहो | वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-निवाड़ी-ललितपुर - टीकमगढ़-खजुराहो | 12.06.25 |
| 19665 | खजुराहो - उदयपुर सिटी | खजुराहो-महोबा-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी | खजुराहो-टीकमगढ़-निवाड़ी-ललितपुर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी | 13.06.25 |

***उपरोक्त रेलगाड़ियों का सिंहपुर-डुमरा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर एवं निवाड़ी स्टेशनों पर ठहराव नहीं होगा।**

**नोट– ट्रेनों की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।**

**उत्तर मध्य रेलवे**

**@ CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1004/25(DG)**

# स्लोपनुमा हरियाली व फुलवारी से सजेंगे प्रमुख मार्गों के किनारे

**नगरायुक्त ने किया रायवाला स्थित प्रभाकर उद्यान का निरीक्षण**

भारत संवाद

सहारनपुर।शहर के देहरादून रोड व दिल्ली रोड सहित मुख्य मार्गो के किनारे स्लोपनुमा हरियाली व फुलवारी से सजाये जायेंगे।इसके लिए नगरायुक्त ने निगम के उद्यान विभाग को बड़ी संख्या में बोगनवेलिया, रात की रानी व कनेर सहित विभिन्न प्रकार के फूलों की नर्सरी तथा फाइकस आदि आकर्षक पौधे तैयार करने के निर्देश दिए हैं। नगरायुक्त शिपू गिरी ने रायवाला स्थित प्रभाकर उद्यान का निरीक्षण किया।उन्होंने निरीक्षण के दौरान मिया वाकि वन तथा प्रभाकर उद्यान की नर्सरी में तैयार किये जा रहे पौधों की जानकारी ली। उन्होंने नर्सरी में एक लाख बोगनवेलिया, दस हजार चम्पा, रात की रानी के अलावा फाइकस, नींबू, करौंदा आदि की पौध तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सहजन की विशेषताएं बताते हुए प्रत्येक उद्यान में सहजन लगवाने के भी निर्देश दिए।बाद में उन्होंने देहरादून रोड का भी निरीक्षण करते हुए शहर के प्रमुख मार्गो देहरादून रोड, दिल्ली रोड, अम्बाला रोड आदि का सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य अभियंता निर्माण बी के सिंह को सड़क के किनारों को स्लोपनुमा पेड़ों के साथ सुसज्जित करने के लिए फ्रेम बनाने के निर्देश दिए।

# मण्डलायुक्त ने शेखा झील पर श्रमदान कर महा स्वच्छता अभियान का किया शुभारंभ

- जल संरक्षण एवं स्वच्छता विषय पर संगोष्ठी कर आमजन को किया जागरूक
- डीएम, सीडीओ एवं डीएफओ समेत स्वयंसेवी संगठन व गणमान्य नागरिकों ने किया श्रमदान

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): मा0 मुख्यमंत्री जी के एक जनपद-एक वाटर बॉडी पुनरोद्धार संकल्प अभियान के तहत अलीगढ़ की शेखा झील में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जनसहभागिता से श्रमदान किया गया। बुधवार को प्रातःकाल ही मण्डलायुक्त संगीता सिंह, जिलाधिकारी संजीव रंजन, सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, डीएफओ नवीन कुमार शाक्य समेत अन्य अधिकारियों का काफिला शेखा झील के लिए रवाना हुआ। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शेखा झील पर जल संरक्षण और झील के पुनरोद्धार को लेकर वरिष्ठ प्रशासनिक एवं वन विभाग के अधिकारियों द्वारा सफाई कार्य कर श्रम दान किया करने के उपरांत जल संरक्षण एवं स्वच्छता के महत्व के बारे में संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ संगीता सिंह ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रत्येक जिले में कम से कम एक वाटर बॉडी का पुनरोद्धार कराए जाने का संकल्प लिया गया है

**उत्तर मध्य रेलवे**

**निविदा नोटिस सं. ET-47/Elect./CHG-PRYJ/2025-26, दि0 :- 05.06.2025**

**शुद्धि पत्र सं. 1 दिनांकः 09.06.2025**

**निविदा नोटिस सं. - ETCHG-47 , कार्य का नाम :** प्रयागराज मंडल में एलएचबी नॉन-एसी कोचों के जल पंपों के लिए अलग एमपीसीबी का प्रावधान और इसके नियंत्रक को ऑनबोर्ड पैनलों में स्थानांतरित करना। **विवरण :** निविदा संख्या ETCHG-47 के लिए निविदाकर्ता को निर्देश के मद संख्या 2, **पहले प्रकाशित : Warranty : -** All the materials provided by the firm will be warranted for 06 months from the date of installation. If any material fails during warranty period same shall be supplied & installed by the firm free of cost, **इसे निम्न प्रकार पढ़ा जाना चाहिए : Warranty : -** All works shall be warranted for a period of 12 months from the date of installation/ commissioning. All materials shall carry a warranty of 12 months or as per the OEM's warranty policy, whichever is later/ applicable. The contractor shall submit the original OEM warranty certificate in favour of the Railways. The Security Deposit (SD) shall be released after expiry of 12 months, subject to satisfactory performance during the warranty period and submission of the warranty certificate in original as mentioned afore. **987/25 (AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

**भारत संवाद परिवार** 1–संरक्षक–भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2–संरक्षक–भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3–संरक्षक–भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4–कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5–उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6–प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1–ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक– अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०–9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

# बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

**बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।**

## हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

## एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

## कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

## प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

## इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

## पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

# सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

**सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।**

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

### क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

### एसईओ कैसे काम करता है ?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

## किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड,

वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

## आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंतत : आपके पास आ जाएगी।

# बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

**फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।**

## डेवलप करें जरूरी स्किल्स

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

## सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

## स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

## शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

## ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

# ट्रम्प ने अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड डील का ऐलान किया

## यूएस को रेयर अर्थ मटेरियल मिलेगा, बदले में चीनी छात्र अमेरिकी कॉलेज में पढ़ेंगे

एजेंसी

लंदन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड डील समझौते की घोषणा की। इस समझौते के तहत चीन अब अमेरिकी कंपनियों को रेयर अर्थ मटेरियल की आपूर्ति करेगा।रेयर अर्थ मटेरियल तकनीकी उपकरण, स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक कार जैसी चीजों के लिए बेहद जरूरी होता है। इसके बदले अमेरिका, चीनी छात्रों को अपने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ाई करने की इजाजत देगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि नई डील से टैरिफ यानी आयात शुल्क को लेकर अमेरिका को 55% लाभ मिल रहा है, जबकि चीन को सिर्फ 10% फायदा पहुंचेगा। हालांकि यह साफ नहीं है कि इस टैरिफ व्यवस्था का पूरा मतलब क्या है और यह कैसे काम करेगी। ट्रम्प के समझौते पर मुहर लगाने के बाद अब इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मंजूरी का इंतजार है। इससे पहले अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने

कहा था कि दोनों देश जिनेवा में पहले हुए समझौते और नेताओं की आपसी बातचीत को अमल में लाने के लिए तैयार हो गए हैं। चीन के व्यापार मामलों के वरिष्ठ अधिकारी ली चेंगगांग ने भी यही बात दोहराई। दरअसल, हाल ही में दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच फोन पर बातचीत हुई थी, जिससे दोनों के बीच चल रहा तनाव थोड़ा कम हुआ। इससे पहले दोनों एक-दूसरे पर व्यापार समझौते के नियम तोड़ने का आरोप लगा रहे थे। इसी साल मई में स्विट्जरलैंड में हुई एक बैठक में यह तय हुआ था कि अप्रैल में जोड़े गए नए टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोका जाएगा और कुछ पुराने फैसले भी वापस लिए जाएंगे। लुटनिक ने मंगलवार को कहा कि इस सहमति से रेयर अर्थ मिनरल्स और मैग्नेट्स से जुड़ी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि यह फ्रेमवर्क पिछले महीने जिनेवा में हुए समझौते को मजबूती देता है। लुटनिक ने बताया- इस समझौते में कुछ अमेरिकी एक्सपोर्ट रिस्ट्रिक्शन को हटाने की भी बात हुई। उन्होंने कहा, हम इस फ्रेमवर्क को राष्ट्रपति ट्रम्प के पास ले जाएंगे और उनकी मंजूरी के बाद इसे लागू करेंगे। दूसरी ओर, चीन इसे राष्ट्रपति शी जिनपिंग के सामने रखेगा। इससे पहले अमेरिका और चीन के बीच 11 मई को जिनेवा में ट्रेड डील पर सहमति बनी थी। दोनों देशों ने टैरिफ में 115% कटौती का ऐलान किया था। जिनेवा में दोनों देशों के बीच हुए समझौते के मुताबिक अमेरिका, चीनी सामानों पर 30% टैरिफ लगाएगा। वहीं चीन, अमेरिकी सामानों पर 10% टैरिफ लगाएगा। दोनों देशों के बीच टैरिफ में यह कटौती फिलहाल 90 दिनों के लिए हुई। व्हाइट हाउस ने 11 मई को एक बयान में चीन से व्यापार समझौते की घोषणा की थी। हालांकि व्हाइट हाउस ने तब इसकी डिटेल नहीं दी थी। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे व्यापार घाटा कम करने के लिए एक डील बताया था, जबकि चीनी अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच अहम सहमति बनी है और नए सिरे से आर्थिक बातचीत शुरू करने पर सहमति हुई है। पिछले महीने ट्रम्प ने चीनी सामानों पर 145% टैरिफ लगा दिए थे, जिसके बदले में चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 125% तक का टैरिफ लगा दिया था। जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सालाना 600 अरब डॉलर का व्यापार लगभग रुक गया था।

# चीन के बाद ताइवान ने भारतीय नेवी को शुक्रिया कहा

## अरब सागर में जलते जहाज से 18 क्रू मेंबर को रेस्क्यू किया था

एजेंसी

ताइवान, ताइवान सरकार ने सिंगापुर के कंटेनर जहाज हुए हादसे के बाद मदद करने के लिए इंडियन नेवी और कोस्टल गार्ड का आभार जताया है। दरअसल, अरब सागर में केरल के कोच्चि के पास लगभग 44 नॉटिकल मील दूर एक कंटेनर जहाज एमवी वान हाई 503 में 9 जून को विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई थी। आग तेजी से फैली जिसके बाद जहाज में और भी कई विस्फोट हुए, जिससे यह डूबने की कगार पर पहुंच गया था। ये जहाज श्रीलंका के कोलंबो से मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह की ओर जा रहा था। 10

जून को वहां पहुंचने वाला था। इस जहाज में जहाज में लगभग 650 कंटेनर थे जिनमें 2000 टन तेल और 240 टन डीजल था। भारतीय नौसेना को शिप के हादसे की जानकारी 9 जून को सुबह 9:30 बजे मिली। इसके रेस्क्यू ऑपरेशन में लगभग 7 घंटे का समय लगा। खराब मौसम के कारण इसके रेस्क्यू में काफी दिक्कतें आईं। इससे पहले चीन ने भी सोशल मीडिया एक्स पर भारतीय नेवी और मुंबई कोस्टल गार्ड को धन्यवाद दिया था। चीन की राजदूत यू जिंग ने कहा, हम भारतीय नौसेना की तेजी और बहादुरी की सराहना करते हैं। उनके प्रयासों से 18 लोगों की जान बची। हम घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। जहाज पर 22 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें 8 चीनी, 6 ताइवानी, 5 म्यांमार और 3 इंडोनेशियाई नागरिक शामिल थे। विस्फोट के बाद आग तेजी से फैल गई, जिसके कारण चालक दल को जहाज छोड़ना पड़ा। भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल ने तुरंत कार्रवाई की और 18 लोगों को सुरक्षित बचा लिया, जिनमें और पांच लोग घायल हैं। जबकि 4 लोग अब भी लापता है। भारतीय नेवी उनकी तलाश के लिए खोज अभियान चला रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में भारतीय कोस्टल गार्ड ने बताया था कि आईसीजी विमान ने पहले घटनास्थल का आकलन किया।

उसके बाद बचाव के लिए आईसीजी के 04 जहाजों को रेस्क्यू के लिए भेजा गया था। लगातार आग लगने से जहाज के टूटकर समुद्र में डूब जाने का खतरा था। इसे जहाज में 2000 टन तेल था। अगर जहाज डूब जाता तो तेल का रिसाव हो सकता था। इसके अलावा कुछ कंटेनर में खतरनाक केमिकल होने के कारण सुरक्षा से जुड़ी चिंता भी थी।

# यूएस एयरपोर्ट पर पकड़े गए भारतीय का वीजा अवैध था

## इलाज के बाद भारत भेजा जाएगा; अमेरिका ने कहा था- अवैध एंट्री बर्दाश्त नहीं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, न्यूयॉर्क में इंडियन कॉन्सुलेट ने बुधवार को पुष्टि की है कि न्यू जर्सी के न्यूअर्क एयरपोर्ट पर हरियाणा के जिस भारतीय छात्र को हिरासत में लिया गया था, उसके पास वैध वीजा नहीं था। न्यूज एजेंसी मुताबिक इस छात्र को अमेरिकी कोर्ट के आदेश के तहत भारत वापस भेजा जाएगा। पहले खबर आई थी कि छात्र को भारत भेज दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक छात्र के व्यवहार को एयरपोर्ट ट्रांजिट के दौरान सफर के लिए ठीक नहीं माना गया, इस वजह से उसे हिरासत में लेकर मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए भर्ती किया गया। इस घटना का वीडियो दो दिन पहले वायरल हुआ था, जिसमें एयरपोर्ट पर दो लोगों एक भारतीय को जमीन पर पटककर दबोचे हुए थे और उसके हाथ में हथकड़ी लगाकर रखी थी। भारत सरकार ने इस मुद्दे को नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के सामने औपचारिक तौर पर उठाया था। इसके अलावा, वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास और न्यूयॉर्क में इंडियन कॉन्सुलेट ने भी अमेरिकी अधिकारियों से इस मामले की पूरी जानकारी मांगी थी। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने मंगलवार को इस मुद्दे पर बयान जारी किया था। दूतावास ने कहा था कि अमेरिका में अवैध एंट्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अमेरिकी दूतावास ने एक्स पर लिखा- अमेरिका

अपने देश में वैध यात्रियों का स्वागत करता है। हम अवैध एंट्री, वीजा का दुरुपयोग या अमेरिकी कानून के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेंगे। न्यूयॉर्क में इंडियन कॉन्सुलेट ने एक पोस्ट में कहा था- हमें सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट मिली हैं, जिनमें दावा किया गया है कि न्यूअर्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक भारतीय नागरिक को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हम इस मामले को लेकर लोकल अधिकारियों के संपर्क में हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन कुणाल जैन ने रविवार को इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था। जैन ने एक्स पर लिखा- मैंने न्यूअर्क एयरपोर्ट पर एक युवा भारतीय छात्र को हथकड़ी लगाकर, रोते हुए, अपराधी की तरह ट्रीट होते देखा। जैन ने बताया कि छात्र हरियाणवी में कह रहा था, 'मैं पागल नहीं हूं, ये लोग मुझे पागल साबित करने की कोशिश कर रहे हैं।' वीडियो में एयरपोर्ट अधिकारियों ने छात्र को जमीन पर पटका और उसे हथकड़ी लगाई। इसके बाद उसे भारत डिपोर्ट कर दिया गया। अभी तक यह साफ नहीं है कि छात्र को किस वजह से डिपोर्ट किया गया। कुनाल जैन ने कहा था, बच्चे वीजा लेकर सुबह फ्लाइट से आते हैं। किसी कारण से इमिग्रेशन अथॉरिटीज को अपने आने का कारण समझा नहीं पाते और शाम की फ्लाइट से हाथ-पैर बांधकर, मुजरिमों की तरह भेज दिए जाते हैं। हर दिन 3-4 ऐसे मामले हो रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में ऐसे केस ज्यादा बढ़ गए हैं। जैन ने भारतीय दूतावास, अमेरिका और भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। उन्होंने लिखा था, पता लगाना चाहिए कि इस छात्र का क्या हो रहा है।

# अमेरिका में यहूदियों का कत्लेआम करना चाहता था पाकिस्तानी नागरिक

## हमास स्टाइल में हमले की प्लानिंग थी; कनाडा से यूएस डिपोर्ट किया गया

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, पाकिस्तान के एक नागरिक को ब्रुकलिन के यहूदी सेंटर पर गोलाबारी की साजिश रचने के आरोप में कनाडा से अमेरिका डिपोर्ट किया गया। मोहम्मद शाहजेब खान नाम के इस पाकिस्तानी की प्लानिंग 7 और 11 अक्टूबर को हमास स्टाइल में हमला करने की थी। इसके साथ ही वह कनाडा में शरणार्थी का दर्जा भी चाहता था। बता दें कि 2 साल पहले 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजराइल पर हमला करके

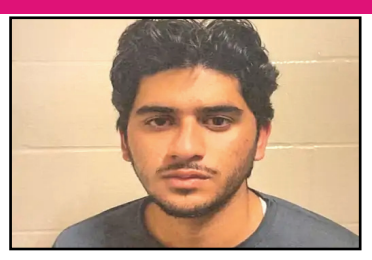

1200 लोगों का कत्ल कर दिया था। अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट के मुताबिक, खान को पिछले साल अमेरिका-कनाडा बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया गया था और उसे इस हफ्ते न्यूयॉर्क लाया गया। खान ने यहूदी सेंटर पर एआर-स्टाइल राइफल और चाकुओं से हमला करने की प्लानिंग की थी। उसने अमेरिका के दो अंडरकवर एजेंटों को बताया कि वो ज्यादा से ज्यादा यहूदियों का कत्ल करना चाहता है। सरकारी वकीलों ने कोर्ट को बताया कि खान ने अपनी इस प्लानिंग के बारे में अंडर कवर एजेंट्स को बताया था। उसने ब्रुकलिन के उस यहूदी धार्मिक सेंटर की तस्वीरें भी शेयर की थी, जहां वो हमला करना चाहता था। आरोपी की प्लानिंग 9/11 के बाद अमेरिकी धरती पर सबसे बड़ा आतंकी हमले करने की थी। अमेरिकी अटॉर्नी जे क्लेटन ने कहा- आरोपी ने न्यूयॉर्क शहर के एक यहूदी सेंटर पर घातक आतंकी हमला करने की प्लानिंग की। वह ऑटोमैटिक हथियारों से हमारी यहूदी आबादी को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना चाहता था। खान को 2024 में कनाडा के ओर्म्सटाउन में, अमेरिकी बॉर्डर से सिर्फ 19 किमी दूर, एक मानव तस्कर की मदद से पकड़ा गया। खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके आतंकी संगठन आईएसआईएस के समर्थन में हमले करने की इच्छा जताई थी।

# सीजेआई गवई बोले- न्यायिक आतंकवाद से बचें

### कोर्ट को नहीं लांघनी चाहिए अपनी सीमाएं; भारतीय संविधान दबे-कुचलों को ऊपर उठाने का काम करता है

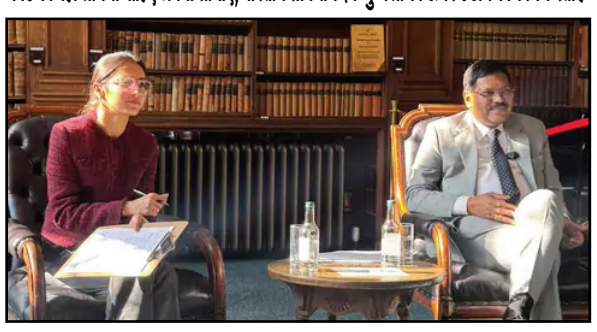

एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने कहा कि भारत का संविधान सिर्फ अधिकार नहीं देता, बल्कि समाज के पिछड़े और दबे-कुचले वर्गों को ऊपर उठाने का काम भी करता है। उन्होंने यह बात ऑक्सफोर्ड यूनियन में एक प्रोग्राम के दौरान कही। सीजेआई ने कहा कि देश में ज्यूडिशियल एक्टिविज्म की भूमिका बनी रहेगी, लेकिन इसे इतना नहीं बढ़ाना चाहिए कि यह न्यायिक आतंकवाद का रूप ले ले। न्यायिक सक्रियता जरूरी है, लेकिन यह इस हद तक नहीं होनी चाहिए कि यह न्यायिक आतंकवाद का रूप ले ले। कई बार ऐसा होता है कि न्यायपालिका ऐसे क्षेत्रों में घुस जाती है, जहां उसे नहीं जाना चाहिए।

1. न्यायपालिका को मर्यादा में रहकर हस्तक्षेप करना चाहिए सीजेआई गवई ने कहा कि जब विधायिका और कार्यपालिका नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने में असफल रहती हैं, तब न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ता है। लेकिन इस हस्तक्षेप की सीमा और मर्यादा होनी चाहिए।

2. भारत में कई दशक तक छुआछूत रहा भारत में कई दशक पहले लाखों नागरिकों को अछूत कहा जाता था। उन्हें

**सीजेआई ने कहा कि देश में ज्यूडिशियल एक्टिविज्म की भूमिका बनी रहेगी, लेकिन इसे इतना नहीं बढ़ाना चाहिए कि यह न्यायिक आतंकवाद का रूप ले ले। न्यायिक सक्रियता जरूरी है, लेकिन यह इस हद तक नहीं होनी चाहिए कि यह न्यायिक आतंकवाद का रूप ले ले। कई बार ऐसा होता है कि न्यायपालिका ऐसे क्षेत्रों में घुस जाती है, जहां उसे नहीं जाना चाहिए।**

अशुद्ध बताया जाता था। कहा जाता था कि वे इस जाति के नहीं हैं। उन्हें बताया जाता था कि वे अपनी बात खुद नहीं कह सकते। लेकिन आज हम यहां हैं, जहां उन्हीं लोगों से संबंधित एक व्यक्ति देश की न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर आसीन होकर खुलकर बोल रहा है। सीजेआईगवई बोले- जज जमीनी हकीकत नजरअंदाज नहीं कर सकतेसीजेआई बीआर गवई ने 17 मई को कहा कि जज जमीनी हकीकत को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। वे बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान उखक गवई ने सामाजिक वास्तविकताओं को समझने और उनका जवाब देने में जजों की भूमिका पर जोर दिया। सीजेआई गवई ने कहा कि आज की न्यायपालिका मानवीय अनुभवों की जटिलताओं को नजरअंदाज करते हुए कानूनी मामलों को सख्त काले और सफेद शब्दों में देखने का जोखिम नहीं उठा सकती।

# हम अलग कब थे...सचिन पायलट को गद्दार- निकम्मा कह चुके अशोक गहलोत के बदले सुर

**पायलट के पिता दिवंगत कांग्रेस नेता राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर आयोजित एक समारोह में गहलोत ने कहा हम कब अलग हुए हैं? हम हमेशा साथ रहते हैं और बहुत प्यार करते हैं। यह केवल मीडिया ही कहता है कि हमारे बीच दूरियां हैं।**

एजेंसी

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने को दावा किया कि वह अपने सहयोगी और कांग्रेस नेता सचिन पायलट से कभी दूर नहीं थे। आपको बता दें कि पायलट ने जुलाई 2020 में गहलोत सरकार के खिलाफ विद्रोह का झंडा उठाया था।पायलट और 18 कांग्रेस विधायकों के गहलोत के खिलाफ विद्रोह ने एक महीने तक चलने वाले संकट को जन्म दिया। यह संकट तब सुलझ गया जब कांग्रेस

नेतृत्व ने पायलट को उपमुख्यमंत्री और राज्य पार्टी प्रमुख के पद से हटा दिया। पायलट के पिता दिवंगत कांग्रेस नेता राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर आयोजित एक समारोह में गहलोत ने कहा हम कब अलग हुए हैं? हम हमेशा साथ रहते हैं और बहुत प्यार करते हैं। यह केवल मीडिया ही कहता है कि हमारे बीच दूरियां हैं। सचिन पायलट ने शनिवार को गहलोत से उनके जयपुर स्थित आवास पर मुलाकात की और उन्हें समारोह में आमंत्रित किया। दो घंटे तक चली यह मुलाकात 2020 के विद्रोह के बाद उनकी पहली ऐसी मुलाकात थी, जो कांग्रेस के दो शीर्ष नेताओं के बीच सुलह का संकेत देती है। बुधवार को दिवंगत राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर पांच साल में पहली बार गहलोत और पायलट ने मंच साझा किया। समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विपक्ष के नेता टीकाराम जूली, पार्टी प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, सांसद हरीश चौधरी और मुरारी लाल मीना समेत कई नेता शामिल हुए। गहलोत ने कहा कि राजेश पायलट उन्हें बहुत जल्दी छोड़कर चले गए और उनके जाने का दर्द हमेशा बना रहेगा। हमें उनका प्यार आज भी याद है। हम उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। हम 18 साल तक संसद सदस्य के तौर पर साथ रहे। सचिन पायलट के करीबी माने जाने वाले कांग्रेस नेता वेद प्रकाश सोलंकी ने बुधवार को राजस्थान और पार्टी के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। ₹सालों से बंटे हुए कई पार्टी कार्यकर्ता सचिन पायलट और अशोक गहलोत की इस मुलाकात के बाद एकजुट होकर मुस्कुराए। हम हमेशा पायलट के साथ खड़े रहे...कांग्रेस के सभी सच्चे कार्यकर्ता दौसा में थे और उन्होंने दोनों नेताओं को एक साथ देखने के लिए आने का निमंत्रण स्वीकार किया। वे सभी कांग्रेस को फिर से एकजुट होते देखने आए थे।

# पोरबंदर के रामदेवपीर मंदिर में 50 फीट ऊंचा मंडप गिरा

### एक श्रद्धालु की मौत, 16 घायल; मेला ग्राउंड में हो रहे महोत्सव में हुआ हादसा

एजेंसी

पोरबंदर , गुजरात के पोरबंदर में बुधवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां चौपाटी मेला ग्राउंड में रामदेवपीर मंडप महोत्सव में 50 फीट ऊंचा मंडप भीड़ पर गिर गया। इस हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि 16 श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों को पोरबंदर के सिविल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

### रामदेवपीर मंडप महोत्सव का था आयोजन

पोरबंदर के चौपाटी मेला ग्राउंड में रामदेवपीर के मंडप निर्माण का आयोजन किया गया था। इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु जमा हुए थे। सुबह करीब 10 बजे शुभ मुहुर्त में 50 फीट ऊंचे मंडप को सजाया जा रहा था। इसी दौरान मंडप भीड़ पर गिर गया। हादसे के बाद ग्राउंड में भगदड़

मच गई। मंडप की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी मौत हो गई। हालांकि, अन्य 16 को मामुली चोटें आई हैं।सरकारी अस्पताल में गार्ड था मृतक इस हादसे में वनराजभाई नवघनभाई गोरानिया नाम के बुजुर्ग की सिर में चोट लगने से मौत हो गई। वनराजभाई गोरानिया एक सरकारी अस्पताल में सुरक्षा गार्ड की नौकरी करते थे। वे नाइट ड्यूटी कर सुबह मंडप देखने मेला ग्राउंड पहुंचे थे।

# 7 दिन में देश का टेंपरेचर 8-13 डिग्री बढ़ा

**आईएमडी ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में कई स्थानों पर लू चलने की संभावना है। तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के सफदरजंग सबस्टेशन में अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।**

### मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 6 राज्यों में लू का अलर्ट; बठिंडा 47.6डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म

एजेंसी

नई दिल्ली , देशभर में भीषण गर्मी का दौर जारी है। पिछले सात दिन में देशभर के तापमान में 8 से 13 डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हुआ है। मंगलवार को पंजाब का बठिंडा 47.6डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। वहीं, हरियाणा के सिरसा में मंगलवार को पारा 46.2 डिग्री दर्ज किया गया। राजस्थान में भी गर्मी और हीटवेव का तेज असर जारी है। मंगलवार को राजस्थान के 3 शहरों का तापमान 46 डिग्री या उससे ज्यादा दर्ज किया गया। श्रीगंगानगर में 47.4डिग्री, कोटा में 46.3डिग्री और बीकानेर में पारा 46 डिग्री दर्ज किया गया।देश के

उत्तरी राज्यों- राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश में दो दिन लू का अलर्ट है। दिल्ली में मंगलवार को अधिकतम तापमान 43.8डिग्री दर्ज किया गया, लेकिन गर्मी 47डिग्री जैसी महसूस की गई। बुधवार को दिल्ली का तापमान 45डिग्री के आसपास रहने की उम्मीद है।इधर, केरल में फिर से तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। केरल के उत्तरी जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, 13 जून को 4 और 14 जून को 9 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।ग्वालियर समेत 15 जिलों में लू का अलर्ट।एमपीटढ में 2 दिन तक तेज गर्मी; 28 शहरों में पारा 40 डिग्री पारमध्यप्रदेश में जून में सूरज के तीखे तेवर हैं। पिछले 3 दिन से नौतपा जैसी गर्मी है। मंगलवार को 28 शहरों में पारा 40 डिग्री के पार रहा, जबकि नौगांव में सबसे ज्यादा 46.1 डिग्री पहुंच गया। नर्मदापुरम, गुना, खजुराहो, टीकमगढ़ और सागर में तापमान 45 डिग्री या इससे अधिक रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2 दिन लू और तेज गर्मी का अलर्ट है। आईएमडी ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में कई स्थानों पर लू चलने की संभावना है। तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।